वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 300 बुधवार 1 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से लोकल टू ग्लोबल हो रहे स्थानीय उत्पाद

राजस्थानी उत्पाद विश्व पटल पर बना रहे अपनी विशिष्ट पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्थानीय विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 के माध्यम से राजस्थान के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा रहा है। यह नीति स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाते हुए प्रदेश में रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति दे रही है।

उद्यमिता को मिल रहा बढ़ावा, गांवों में रोजगार के नए अवसर

स्थानीय विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार

जयपुर. कासं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए हर गाँव, तहसील और जिले के समग्र स्थानीय विकास पर जोर दिया है। उनके अनुसार वोकल फॉर लोकल, सबका साथ-सबका विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। ओडीओपी नीति के माध्यम से लोकल से ग्लोबल का सपना साकार हो रहा है और राजस्थान के उत्पाद विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। इस नीति के तहत राज्य के प्रत्येक जिले में उत्पाद का चयन किया गया है, जिससे स्थानीय संसाधनों और कौशल का बेहतर उपयोग हो सके। साथ ही, प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखते हुए प्रमुख उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएं। इस नीति के माध्यम से गांवों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है तथा उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, वित्तीय सहायता और बाजार तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नीति के अंतर्गत उद्योगों को मार्जिन मनी अनुदान, एडवांस टेक्नोलोजी और सॉफ्टवेयर खरीदने, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने पर पुनर्भरण सहायता प्राप्त होगी।

उत्पाद की मार्केटिंग एवं तकनीकी उन्नयन में भी सहयोग

इस नीति के तहत उद्यमियों को कैटलॉगिंग सेवाओं और ई-कॉमर्स वेबसाइट के डवलपमेंट के लिए 60 प्रतिशत और अधिकतम 75 हजार तक सहायता देकर डिजिटल मार्केट के विस्तार में सहयोग दिया जा रहा है, जिससे उत्पादों की ब्रांडिंग हो सके, साथ ही, बाजार तक बहुत सुनिश्चित हो। वित्तीय प्रोत्साहन, टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट और मार्केट विस्तार जैसे पहलों के माध्यम से यह नीति जिला स्तर के उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है।

उद्यमियों को दी जा रही व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता

राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में इस नीति के तहत नए लघु एवं सूक्ष्म ओडीओपी उद्यम स्थापित करने के लिए परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत (अधिकतम 25 लाख रुपये) तक मार्जिन मनी सब्सिडी देय है। साथ ही, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के तकनीकी उन्नयन के लिए नवीनतम तकनीक एवं सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 5 लाख रुपये) की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। एक जिला-एक उत्पाद नीति में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्रों और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर किए गए खर्चों के लिए 3 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान है। साथ ही, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने के लिए दो साल तक प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण भी देय है। टेक्नोलॉजिकल अपग्रेडेशन को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्थानों से एडवांस्ड टेक्नोलॉजी या सॉफ्टवेयर खरीद पर 5 लाख रुपये तक 50 प्रतिशत सब्सिडी मुहैया कराई जाती है।

विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन, उद्यमियों को प्रशिक्षण

इस नीति के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में उद्यमिता और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। अब तक अनेक लाभार्थियों सहायता राशि वितरित की जा चुकी है, जिससे उद्यमों की स्थापना, विपणन सुदृढ़ीकरण एवं उत्पादक इकाइयों के उन्नयन को प्रोत्साहन मिला है। नीति के तहत मार्जिन मनी सहायता में सर्वाधिक निवेश हुआ है। वहीं मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, गुणवत्ता प्रमाणन एवं तकनीकी उन्नयन जैसे क्षेत्रों में भी व्यापक सहयोग दिया जा रहा है। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा ओडीओपी उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शन, विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन तथा उद्यमियों को प्रशिक्षण एवं ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से जोड़ने जैसे कदम उठाए गए हैं, जिससे स्थानीय उत्पादों को नई पहचान और व्यापक बाजार उपलब्ध हो रहा है।

'वर्धमान दिव्य घोष' की मधुर धुनों के साथ हुआ भगवान महावीर की शोभायात्रा का भव्य स्वागत

दरगाह क्षेत्र में समिति द्वारा जलपान एवं शीतल सेवा से किया गया आगंतुकों का सत्कार

अजमेर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर जयंती महोत्सव के पावन अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा का श्री दिगंबर जैन महासमिति (महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर) द्वारा अभूतपूर्व स्वागत किया गया। शोभायात्रा के मार्ग में 'वर्धमान दिव्य घोष' की गूँज और सेवा कार्यों ने सभी का मन मोह लिया।

दिव्य घोष से गूँजा नया बाजार

महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि शोभायात्रा के नया बाजार पहुँचने पर समिति की सदस्याओं ने 'वर्धमान दिव्य घोष' बजाकर जुलूस की भव्य अगवानी की।

प्रमुख सहभागिता: संयोजक इंद्रा कासलीवाल के नेतृत्व में सुषमा पाटनी, अनामिका सुरलाया, रेनू पाटनी, शांता काला, संतोष बाकलीवाल, किरण गोधा, संगीता पाटनी, सविता सेठी, मधु बड़जात्या और वर्षा बड़जात्या ने वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों के माध्यम से आगंतुकों का भावभीना स्वागत किया। इस अवसर पर समिति की संरक्षक निर्मला पांड्या ने उपस्थित होकर सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

दरगाह क्षेत्र में सेवा कार्य

महासमिति (अजमेर संभाग) के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने जानकारी दी कि जब शोभायात्रा दरगाह बाजार क्षेत्र से गुजरी, तब समिति द्वारा व्यापक स्तर पर जल सेवा और जलपान की व्यवस्था की गई।

स्वागत सत्कार: भीषण गर्मी को देखते हुए जैन धर्मावलंबियों एवं उपस्थित जनसमुदाय के लिए शीतल जल, आइसक्रीम, सौंफ-टाफी और इलायची आदि का वितरण कर आत्मीय स्वागत किया गया।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

इस सेवा कार्य में महासमिति के कोषाध्यक्ष श्रेयांश पाटनी, संरक्षक राकेश पालीवाल, प्रवीण पाटोदी, महेश पाटनी, विनोद बाकलीवाल सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर व्यवस्थाओं को संभाला और प्रसाद वितरण किया।

जयघोष के साथ धर्मतीर्थ में स्थापित हुई 51 फीट ऊंची विशाल सिद्ध प्रतिमा

पंचकल्याणक और महामस्तकाभिषेक महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

धर्मतीर्थ. शाबाश इंडिया। कचनेर के निकट स्थित श्रीक्षेत्र धर्मतीर्थ में रविवार को एक ऐतिहासिक अध्याय लिखा गया। जगद्गुरु गणाधिपति आचार्य श्री कुंथुसागरजी एवं क्रांतिकारी राष्ट्रसंत आचार्य श्री गुप्तीनंदीजी के पावन सान्निध्य में 51 फीट ऊंची विशाल श्री वृषभ सिद्ध प्रतिमा की सफलतापूर्वक स्थापना की गई। इस पावन अवसर पर देश भर से आए हजारों श्रद्धालुओं के जयकारों से संपूर्ण परिसर गुंजायमान हो उठा।

दुर्लभ अनुष्ठान और स्वर्ण अर्पण

प्रतिष्ठाचार्य मधुर पंडित के निर्देशन में प्रतिमा के आधार में यंत्र, नवरत्न, स्वर्ण-रजत और पारा विधिवत स्थापित किया गया। श्रद्धा की पराकाष्ठा तब दिखी जब डॉ. अंजली पापड़ीवाल ने अपनी हीरे जड़ित स्वर्ण अंगूठी निकालकर प्रतिमा के चरणों में समर्पित कर दी। तीन विशाल क्रेनों और विशेषज्ञों के घंटों के अथक परिश्रम के बाद इस विशाल प्रतिमा को प्रतिष्ठित किया गया।

धार्मिक गतिविधियां और सान्निध्य

महोत्सव में आचार्य तीर्थनंदीजी, आचार्य सुयशगुप्तजी, आचार्य श्रुतधरनंदीजी और आर्यिका क्षमाश्री माताजी ससंघ उपस्थित रहे। रविवार को गर्भकल्याणक उत्तरार्ध की क्रियाएं संपन्न हुईं, जिसमें 81 कलशों से अभिषेक और वास्तुविधान किया गया। साथ ही, आचार्य श्रुतधरनंदीजी का दीक्षा दिवस भी हर्षोल्लास से मनाया गया।

विशेष योगदान एवं भामाशाह

प्रतिमा प्रदाता: इंदौर का गोधा परिवार (श्रीमती प्रेमलता, अनिलकुमार व अरुणकुमार गोधा)। आहारदाता: पुणे का बाकलीवाल परिवार (जिनेंद्र, राजेश, धीरज व विकास बाकलीवाल)। यज्ञनायक: बाराबंकी का प्रमोद जैन परिवार एवं गुरुग्राम का विजेंद्र जैन परिवार। महोत्सव के प्रचार संयोजक नरेंद्र अजमेरा और पीयूष कासलीवाल ने बताया कि आज सोमवार को सुबह 8:00 बजे ऐरावत हाथी पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात भगवान का राज्याभिषेक समारोह और 1008 कलशों से महामस्तकाभिषेक संपन्न होगा।

नैचुरल हेल्थकेयर पर सेमिनार आयोजित

नवरतन अग्रवाल. शाबाश इंडिया

जयपुर। आज नैचुरो हेल्थ केयर के तहत हेल्थ, वेल्थ, एजुकेशन और हैप्पीनेस के काउंसलर्स रवि सर एवं सूजी मैम द्वारा आईटीसी राजपुताना होटल, जयपुर में महिलाओं के स्वास्थ्य जागरूकता के लिए एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। यह सेमिनार होटल में कार्यरत

महिलाओं के लिए विशेष रूप से आयोजित किया गया। सेमिनार के दौरान उन्होंने हेल्दी और मेडिसिन-फ्री लाइफ के लिए उपयोगी समाधान साझा किए। साथ ही, नेचुरल प्रोडक्ट्स और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बाजार में उपलब्ध प्लास्टिक और केमिकल से बने सेनेटरी पैड्स के उपयोग से होने वाली विभिन्न गायनिक समस्याओं और पीरियड्स से जुड़ी दिक्कतों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही ऑर्गेनिक और ब्रीथेबल सेनेटरी पैड्स के फायदे बताते हुए उनका लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी किया। बताया गया कि ये ऑर्गेनिक पैड्स सामान्य बाजार या दुकानों पर उपलब्ध नहीं हैं, बल्कि इन्हें केवल ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है, जो नैचुरो केयर प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। सेमिनार में उपस्थित आईटीसी राजपुताना होटल की सभी महिलाओं ने इस पहल की सराहना की और महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए रवि सर एवं सूजी मैम का आभार व्यक्त किया।

भजनों की स्वर लहरियों से गुंजायमान हुआ पंचशील: 'एक शाम प्रभु महावीर के नाम' का भव्य आयोजन

अजमेर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री दिगंबर जैन महासमिति (महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर) तथा पंचशील टी-ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में 'एक शाम प्रभु महावीर के नाम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। दिगंबर जैन मंदिर, पंचशील में आयोजित इस कार्यक्रम में भजनों के माध्यम से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

प्रसिद्ध भजन गायक अंकित पाटनी, कपिल पाटनी, सुप्रिया पाटनी, सिंपल पाटनी, प्रीति काला, संतोष कासलीवाल और सुनीता शाह ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। **प्रमुख प्रस्तुतियां:** वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है, वीर जन्मे महावीर जन्मे और बाजे कुंडलपुर में बधाई जैसे भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर नृत्य करने लगे।

दीप प्रज्वलन एवं नाटिका मंचन

कार्यक्रम का शुभारंभ समाजश्रेष्ठी राजेंद्र पाटोदी के संयोजन में मधु एवं अनिल भैंसा द्वारा भगवान महावीर की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया।
विशेष आकर्षण: कार्यक्रम के दौरान एक सुंदर नाटिका का

मंचन किया गया, जिसमें शिखा पाटनी ने माता त्रिशला और कल्पना बाकलीवाल ने पिता सिद्धार्थ की जीवंत भूमिका निभाई।

अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन

पंचशील महिला मंडल की अध्यक्ष नवल छाबड़ा एवं मंत्री श्वेता छाबड़ा ने राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी, सुषमा पाटनी, मंजुला जैन, शांता काला और अंजू अजमेरा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर महासमिति के अजमेर संभाग अध्यक्ष अतुल पाटनी, कोषाध्यक्ष श्रेयांश पाटनी, मनीष अजमेरा सहित पंचशील दिगंबर जैन समाज के गणमान्य नागरिक—मनीष गदिया, नीरज बड़जात्या, बॉबी गोधा, लोकेश पाटनी, राजेश कासलीवाल, योगेश बाकलीवाल, जयकुमार गंगवाल, अशोक बड़जात्या, संजय पाटनी, पंकज चांदीवाल, सुनील पांड्या और धीरेन्द्र बाकलीवाल सहित अनेक धर्मावलंबी उपस्थित रहे।
मंच संचालन: कार्यक्रम का कुशल संचालन राजेंद्र पाटोदी द्वारा किया गया।

महावीर के वचन व प्रेरक वाणी!

महावीर स्वामी के वचन व प्रेरक वाणी,
जीवन दर्शन-संस्कृति, अनुगुंजित प्राणी।
अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांत की त्रयी,
प्राणिमात्र के प्रति दृष्टि, संयममयी।
जीवन-स्तर की जागरूकता होती साकार,
लेशमात्र मन में न रखो, कोई भी विकार।

महावीर स्वामी के वचन व प्रेरक वाणी,
जीवन दर्शन-संस्कृति, अनुगुंजित प्राणी।
जीवनचर्या का आधार हो आत्म-संयमन,
एकता, समता, संगम और नियंत्रण के क्षण।
हिंसा की प्रवृत्ति को कर दो हतोत्साहन,
पर-दुःख भंजन हेतु, बनो सेवा-वाहन।

महावीर स्वामी के वचन व प्रेरक वाणी,
जीवन दर्शन-संस्कृति, अनुगुंजित प्राणी।
जन्म से कोई भी, किसी जाति का नहीं,
कर्म ही निर्धारित करते, सबकी खाता-बही।
वचनों में अनुध्वनित 'अपरिग्रह' महावीर,
आर्थिक-सामाजिक आकांक्षा में रखो धीर।
'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' है लक्ष्य महान!

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर, मध्यप्रदेश

महावीर जन्म कल्याणक: अनेकांतवाद के दर्पण में विश्व शांति का मार्ग

"सुलगती दुनिया के लिए शांति का विकल्प"

आज जब हम भगवान महावीर का जन्म कल्याणक मना रहे हैं, संपूर्ण विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ 'शांति' एक दुर्लभ शब्द बन गई है। पश्चिम एशिया (ईरान-इजराइल-इराक) में गहराता सैन्य तनाव और वैश्विक राजनीति में 'अमेरिका फर्स्ट' जैसी कट्टर राष्ट्रवादी विचारधाराओं का पुनरुत्थान यह दशार्ता है कि हम 'वैचारिक अंधेपन' के दौर में जी रहे हैं। ऐसे संकटकाल में महावीर का 'अनेकांतवाद' केवल एक प्राचीन दार्शनिक सिद्धांत नहीं, बल्कि आधुनिक परमाणु युग के लिए विश्व शांति का एकमात्र 'सर्वाइवल किट' है।

कहाँ खड़ी है आज की दुनिया?

एक तरफ ईरान, इराक और इजराइल के बीच युद्ध की विभीषिका है, जहाँ हवाओं में बारूद की गंध घुली है। दूसरी तरफ, वैश्विक पटल पर कट्टर नीतियों का उदय हो रहा है (यद्यपि अमेरिका जैसे देशों में ही अब इन युद्धोन्मादी नीतियों का प्रखर विरोध भी प्रारंभ हो चुका है)। विडंबना यह है कि आज का समय 'संवाद' का नहीं, बल्कि 'विवाद' का बन चुका है। सत्ता और विचारधारा के गलियारों में हर कोई यही उद्घोष कर रहा है ''केवल मैं ही सही हूँ, और जो मेरे साथ नहीं, वह मेरा शत्रु है।'' हठधर्मिता के इस तपते मरुस्थल में भगवान महावीर का 'अनेकांतवाद' एक शीतल फुहार की तरह आता है।

वैचारिक लोकतंत्र की पराकाष्ठा

अनेकांतवाद केवल एक शब्द नहीं, बल्कि 'वैचारिक लोकतंत्र' का उच्चतम शिखर है। महावीर ने सिखाया कि सत्य के अनंत पहलू होते हैं। यदि ईरान का अपना पक्ष है, तो इजराइल के पास भी अपना एक तर्क है। यदि किसी राजनेता की अपनी विचारधारा है, तो उसके विरोधियों का भी अपना एक दृष्टिकोण है। महावीर का कालजयी सूत्र है एगं सच्चं, बहुहा वदंति (सत्य एक है, पर उसे अभिव्यक्त करने के ढंग अनेक हैं)। अनेकांतवाद हमें सिखाता है कि सत्य किसी की बपौती नहीं है। सत्य का एक अंश मेरे पास हो सकता है, तो उसका दूसरा अंश मेरे विरोधी के पास भी संभव है। यह दर्शन हमें दूसरे के अस्तित्व और उसके विचारों को स्वीकार करने की उदारता देता है।

हिंसा का समाधान: 'समझो और समझने दो'

आज की हिंसा केवल गोलियों से नहीं, बल्कि 'वैचारिक कट्टरता' से जन्म ले रही है। युद्ध तब शुरू होता है जब हम दूसरे के अस्तित्व को नकार देते हैं। महावीर का कालजयी संदेश

'जियो और जीने दो', आज के संदर्भ में रूपांतरित होकर कहता है 'समझो और समझने दो'।
संकट का समाधान: यदि पश्चिम एशिया के संकट में 'अनेकांतवाद' को स्थान मिले, तो राष्ट्र एक-दूसरे के भय और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को समझ पाएंगे।
सापेक्षता का महत्व: यदि वैश्विक नेता 'स्याद्वाद' (सापेक्षता) को अपनाएँ, तो उनके भाषणों में अहंकार के स्थान पर समन्वय और सामंजस्य की भाषा होगी। आज जब दुनिया 'तीसरे विश्व युद्ध' की कगार पर खड़ी महसूस होती है, तब अनेकांतवाद ही वह एकमात्र 'ग्लोबल ब्रिज' है जो पूर्व और पश्चिम, उत्तर और दक्षिण को जोड़ सकता है। महावीर का जन्म कल्याणक तब सार्थक होगा, जब हम अपने भीतर के 'एकपक्षीय हठ' को त्यागकर दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करना सीखें। अंततः, शांति मिसाइलों के ढेर पर नहीं, बल्कि विचारों के तालमेल में बसती है। अनेकांतवाद ही वह सूत्र है जो बिखरे हुए विश्व को एक शांतिपूर्ण माला में पिरो सकता है।

डॉ. प्रमिला जैन
सचिव, ओसवाल सभा, उदयपुर

जीवन

हर परिस्थिति में मुस्कराने की कला

कांतिलाल मांडोत

जीवन एक अनवरत प्रवाह है, जहां सुख और दुःख धूप-छांव की तरह साथ चलते हैं। जिस प्रकार दिन के बाद रात का आना अनिवार्य है, उसी प्रकार जीवन में हर्ष और विषाद का चक्र भी स्वाभाविक है। सामान्यतः मनुष्य केवल सुख की कामना करता है और दुःख से भयभीत रहता है, किंतु सत्य यह है कि दुःख भी जीवन का एक अपरिहार्य अंग है। यदि हम केवल अनुकूलता की अपेक्षा करें और प्रतिकूलता आने पर विचलित हो जाएं, तो हम जीवन के वास्तविक सौंदर्य और उसके संपूर्ण स्वरूप को कभी समझ नहीं पाएंगे। प्रकृति ने मनुष्य को विवेक और बुद्धि का अनुपम वरदान दिया है। यही वह शक्ति है जो उसे कठिनतम परिस्थितियों में भी समाधान खोजने के योग्य बनाती है। यदि दृष्टिकोण सकारात्मक हो, तो दुःख को भी एक मूल्यवान सीख में और पीड़ा को प्रेरणा में बदला जा सकता है। जिस प्रकार वैज्ञानिक प्रक्रिया से अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पन्न की जाती है, ठीक उसी प्रकार एक समझदार व्यक्ति अपने जीवन के कष्टों को आत्म-विकास की दिशा दे सकता है। यह पूर्णतः हमारे नजरिए पर निर्भर करता है। अक्सर हम दुःख का कारण बाहरी परिस्थितियों को मानते हैं, जबकि उसका मूल हमारे भीतर ही छिपा होता है। जब मनुष्य अपने कर्तव्यों से विमुख होकर प्रमाद और असावधानी में जीने लगता है, तब वह स्वयं अपने कष्टों का सृजन करता है। 'प्रमाद' का अर्थ है यथार्थ को न समझना और विवेक का त्याग कर देना। जब हम अपने भीतर के इस दोष को पहचान कर उससे ऊपर उठने का संकल्प लेते हैं, तब जीवन को एक नई और सार्थक दिशा मिलती है। यह समझना अनिवार्य है कि विलाप करना या निराशा में डूबना किसी समस्या का अंत नहीं है। दुःख के समय हार मान लेना स्वयं को और अधिक निर्बल बनाना है। इसके विपरीत, धैर्य और साहस से किया गया सामना उसी दुःख को शक्ति के स्रोत में बदल देता है। जो व्यक्ति कांटों के बीच भी मुस्कराना सीख लेता है, वही वास्तव में जीवन के अमृत का रसास्वादन कर पाता है।

संपादकीय

डिजिटल क्रांति या 'डिजिटल जहर'

आज भारत तेजी से डिजिटलाइजेशन की ओर अग्रसर है, जिसमें स्मार्टफोन और विशेषकर 'एंड्रॉयड' का सबसे बड़ा योगदान है। वैश्विक स्तर पर जहां एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 3.9 अरब है, वहीं भारत में वर्ष 2025-26 के अनुमानों के अनुसार स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या 75 करोड़ तक पहुंच चुकी है। इनमें से लगभग 90% स्मार्टफोन एंड्रॉयड आधारित हैं, जिसका अर्थ है कि देश में करीब 67

करोड़ लोग इस प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। सस्ते डेटा प्लान, किफायती हैंडसेट और डिजिटल सेवाओं के विस्तार ने हर हाथ में मोबाइल पहुंचा दिया है। हालांकि, इस डिजिटल क्रांति का एक स्याह पक्ष 'डिजिटल जहर' के रूप में सामने आ रहा है। मोबाइल और स्क्रीन की बढ़ती लत बच्चों और किशोरों के लिए एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। आंकड़े इस समस्या की भयावहता को स्पष्ट करते हैं। यह चिंताजनक है कि भारत में 0-5 वर्ष के बच्चे प्रतिदिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिता रहे हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से दोगुना है। 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम 'शून्य' होना चाहिए, लेकिन वे भी औसतन 1.2 घंटे मोबाइल या टीवी देख रहे हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों की स्थिति और भी विकट है। एक अध्ययन के अनुसार, 62.5% बच्चों में 'स्क्रीन एडिक्शन' (लत) के लक्षण पाए गए हैं। रिपोर्ट बताती है कि 74% छात्र रोजाना 2 घंटे से अधिक और लगभग 21% बच्चे 4 घंटे से अधिक समय गेमिंग या सोशल मीडिया पर बिताते हैं। लगभग 70% माता-पिता स्वीकार करते हैं कि उनके बच्चे वीडियो और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आदी हो चुके हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भी इस डिजिटल लत को युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और एकाग्रता के लिए एक बड़ा खतरा बताया है। इस लत के दुष्परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, सामाजिक दूरी और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। हाल ही में राज्यसभा में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया, जहां विशेषज्ञों ने इसे 'डिजिटल गुलामी' करार दिया। बच्चे मोबाइल के बिना स्वयं को असहज और अधूरा महसूस करते हैं। सोशल मीडिया पर 'लाइक्स' और 'कमेंट्स' की होड़ ने बच्चों में हीन भावना और मानसिक तनाव को जन्म दिया है। यह भी एक कड़वा सच है कि कई डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का डिजाइन ही इस प्रकार बनाया जाता है कि उपयोगकर्ता उनका आदी हो जाए। इस चुनौती से निपटने के लिए अब राष्ट्रीय स्तर पर ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है। राज्यसभा में स्कूलों के पाठ्यक्रम में 'डिजिटल हेल्थ' को शामिल करने और गेमिंग कंपनियों पर सख्त नियम लागू करने की मांग उठी है। केवल प्रतिबंध लगाना समाधान नहीं है; अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा, उन्हें खेल-कूद और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सफल जीवन की परंपरा को प्रोत्साहित करें

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर इस सृष्टि में मानव जीवन का उदय कब हुआ? शायद इस प्रश्न का सटीक उत्तर देना कठिन हो, किंतु पीढ़ियों से चला आ रहा यह प्रवाह हमें बहुत कुछ सिखाता है। हम अपने पूर्वजों से सुनते आए हैं कि अब 'कलियुग' का समय है। इससे पूर्व 'सतयुग' था, जहाँ सभी जीव सुखी और संपन्न थे, पुण्य का बोलबाला था और पाप का नामोनिशान न था। इसके विपरीत, आज कलियुग में पाप का बवंडर दिखाई देता है। यह गाथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। आज की वैश्विक स्थिति का सूक्ष्म अवलोकन करें, तो वास्तव में पुण्य की अपेक्षा पापों का विस्तार अधिक दिखाई देता है। शायद इसीलिए इस युग को कलियुग कहा गया है। यदि हमारे व्यक्तिगत जीवन में आँख में एक छोटा सा तिनका या पैर में कांटा चुभ जाए, तो हमें कितनी असहनीय पीड़ा होती है। कभी-कभी यह कष्ट इतना बढ़ जाता है कि ऑपरेशन तक की नौबत आ जाती है। इसी प्रकार, दबी हुई कपास (रुई) में लगी आग की विभीषिका की कल्पना करें, जो भीतर ही भीतर सब नष्ट कर देती है। पाप का परिणाम भी ऐसा ही होता है। पाप करने वालों को उनकी दुर्दशा और कष्टों का फल इसी जन्म में भोगना पड़ता है। मैंने स्वयं अपने जीवन में और समाज में ऐसे कई उदाहरण देखे हैं जहाँ गलत कर्मों का फल व्यक्ति को जीते-जी मिला है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम छल-कपट से दूर रहकर एक पारदर्शी और सफल जीवन जीने की रीति को प्रोत्साहित करें। पाप की व्याख्या अत्यंत विस्तृत है। सामान्यतः पाप सर्वप्रथम मनुष्य की दृष्टि (नजरिया) से प्रवेश करता है, तत्पश्चात उसके विचारों को मलिन करता है और अंततः चरित्र को दूषित कर देता है। वे सभी कृत्य जो हमें या दूसरों को पीड़ा देते हैं, वे पाप की श्रेणी में आते हैं। जैसेः हिंसा, आत्महत्या के विचार, हत्या, चोरी, लूट, बलात्कार, नशा, बेजुबान जानवरों पर क्रूरता, माता-पिता को कष्ट देना, अबला और बालकों पर अत्याचार, और अपने लाभ के लिए देश या परिवार से गद्दारी करना। गुरुओं का अपमान और झूठ-फरेब पर विश्वास करना भी पाप ही है। हमें ऐसे कर्म करने चाहिए कि हमारे न रहने पर भी लोग हमारी अच्छाई को याद करें और हम दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकें।

किस्मत और कर्म का विज्ञान

मनुष्य योनी 'कर्म योनी' है। यहाँ हम अपनी किस्मत स्वयं लिखते हैं। जैसे एक किसान जो बीज बोता है, उसे वही फसल प्राप्त होती है; यदि कोई बबूल बोकर आम की इच्छा रखे, तो यह संभव नहीं। अज्ञानता में हम जो भी बोते जा रहे हैं, वही भविष्य में हमें प्राप्त होगा। इसे ही लोग 'किस्मत' कहते हैं, जबकि यह हमारे ही कर्मों का लेखा-जोखा है। यह सृष्टि का एक 'ऑटोमैटिक सिस्टम' है जो अटल है। तंत्र-मंत्र या केवल दिखावे की पूजा-पाठ से पाप नहीं कटते, क्योंकि हम सृष्टि के रचयिता से अधिक बुद्धिमान नहीं हो सकते।

कर्तव्य ही धर्म है

पाप और धर्म की व्याख्या हमारे कर्तव्यों से जुड़ी है। पिता का पुत्री के प्रति, संतान का माता-पिता के प्रति, शिक्षक का शिष्यों के प्रति और एक नागरिक का देश के प्रति जो दायित्व है, वही उसका 'धर्म' है। इन कर्तव्यों के विरुद्ध किए गए समस्त कृत्य 'अधर्म' या 'पाप' कहलाते हैं।

महावीर जयंती पर इन्दौर में निकली श्रीजी की भव्य रजत पालकी यात्रा

नसिया जी में भक्ति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ जन्मोत्सव

इन्दौर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जबरी बाग नसिया से भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। चांदी की पालकी (रजत पालकी) में विराजमान श्रीजी का यह जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

शोभायात्रा का मार्ग और जन-सहभागिता

प्रातः काल मंदिर जी से प्रारंभ हुई यह शोभायात्रा छोटी ग्वालटोली, मधुमिलन चौराहा, किबे कंपाउंड, श्रद्धानंद मार्ग और संयोगितागंज से होती हुई पुनः नसिया जी पहुंची।

भक्ति का दृश्य: यात्रा में बड़ी संख्या में जैन समाज के पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु भगवान के जयकारे लगाते हुए और धर्म ध्वजा लिए भक्तिभाव में डूबे नजर आए।

अभिषेक और पूजन अनुष्ठान

शोभायात्रा के नसिया जी पहुँचने के पश्चात भगवान का कलशाभिषेक किया गया। हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वीर कुमार जैन, नरेंद्र जैन और धीरेंद्र कासलीवाल के नेतृत्व में विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक कर विश्व शांति की कामना की। इस मांगलिक अवसर पर महेंद्र कुमार जैन, राजेश जैन, दीपक कुमार जैन, राजीव कुमार जैन, धर्मेंद्र कुमार जैन, अमित जैन और उज्जवल जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी हरिहर सिंह चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि संपूर्ण कार्यक्रम समाज की एकजुटता और धार्मिक उत्साह के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ।

भगवान महावीर के 2625वें जन्मकल्याणक पर ऐतिहासिक रक्तदान शिविर

पहले ही प्रयास में 70 यूनिट रक्त संग्रहित, केसर इंटरनेशनल स्कूल में उमड़ा जनसैलाब, गणमान्य अतिथियों ने बढ़ाई शोभा

जयपुर (मुहाना मंडी). शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में एक विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन समाज समिति, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन (राजस्थान रीजन) एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप (सन्मति) के संयुक्त तत्वावधान में मुहाना मंडी रोड स्थित केसर इंटरनेशनल स्कूल में यह शिविर 'सर्व समाज' के लिए आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट उपस्थिति

समिति के मंत्री विनय जैन एवं सांस्कृतिक मंत्री विनीत जैन छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कारागार के अधीक्षक (सुपरिटेंडेंट) श्री महेश चंद्र, उक्क (अतिरिक्त सुरक्षा बल) प्रमुख राकेश बैरवा, भाजपा भाकरोटा अध्यक्ष अनिल चौधरी, टेलीविजन कलाकार नीरज शर्मा, बॉलीवुड प्रो. मैनेजर मुकेश सागर एवं कांग्रेस जिला महिला अध्यक्ष टीना शर्मा सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। केसरिया समिति के अध्यक्ष अजय गोधा एवं कोषाध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि इस केंद्र पर पहली बार आयोजित शिविर में ही 70 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक की टीम और EHCC की मेडिकल टीम ने अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कीं।

रक्तदाताओं का सम्मान

कार्यक्रम संयोजक विकास जैन, अश्वनी जैन और कमलेश जैन ने बताया कि शिविर में हिस्सा लेने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यकारिणी सदस्य संजय जैन, मोहित जैन और अनिल जैन ने बताया कि मेडिकल टीम द्वारा सर्व समाज के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

सहयोग और आभार

संस्थापक अध्यक्ष महावीर कासलीवाल एवं मंत्री नरेश जैन ने इस सफल आयोजन का श्रेय पुण्यार्जक परिवारों को दिया, जिनमें श्री रमेश बड़जात्या, नितेश जैन, निखिल जैन, कैलाश गोधा, सुरेश बड़जात्या, अजय गोधा, सुरेंद्र पाटनी, विकास जैन, सुशील बाकलीवाल, नरेंद्र जैन और भागचंद जैन शामिल हैं। दिगंबर सोशल ग्रुप के अध्यक्ष सुनील बज, राकेश गोदिका, अनिल रावका और नीरज जैन ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाई।

धुलियान में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

धुलियान. शाबाश इंडिया

संपूर्ण विश्व को 'जियो और जीने दो' का संदेश देने वाले भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव धुलियान में अत्यंत भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

प्रभात फेरी और आध्यात्मिक वातावरण

महोत्सव का आगाज सुबह की प्रभात फेरी के साथ हुआ। उल्लेखनीय है कि इस महापर्व की तैयारी पिछले 10 दिनों से ही शुरू हो गई थी, जिसके अंतर्गत घर-घर में मंगलाचार उत्सव और मंदिरों में 'महावीराष्टक-स्तोत्रम' का सामूहिक पाठ किया जा रहा था।

ऐलक श्री गोसल सागर जी महाराज का सानिध्य

ऐलक श्री 105 गोसल सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा और पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात भगवान महावीर को भव्य पालकी में विराजमान कर विशाल जुलूस निकाला गया।

वेशभूषा: जुलूस में पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्रों में और महिलाएं केसरिया वस्त्र धारण कर धर्म की प्रभावना बढ़ा रही थीं।

प्रमुख नारे: पूरे नगर में 'भगवान महावीर की जय', 'अहिंसामय जैन धर्म की जय' और 'जियो और जीने दो' के

जयघोष गूंजते रहे। 'वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है' के संदेश के साथ श्रद्धालुओं ने अहिंसा और शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया।

धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम

ध्वजारोहण के पश्चात भगवान महावीर स्वामी का मस्तकाभिषेक किया गया। दोपहर में सामूहिक 'महावीर चालीसा' का पाठ हुआ। संध्या काल में भक्तिमय महाआरती के बाद भगवान को पालना झुलाने का सौभाग्य भक्तों को प्राप्त हुआ। दिन भर चले इन धार्मिक अनुष्ठानों के बाद रात्रि में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के बच्चों और युवाओं ने अपनी प्रस्तुतियां दीं।

समाज की एकजुटता

भगवान महावीर के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा प्रकट करते हुए धुलियान के समस्त जैन समाज ने जन्म कल्याणक के अवसर पर अपने प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रखे और सामूहिक रूप से धर्म लाभ लिया।

संकलन:
संजय कुमार जैन बड़जात्या,
धुलियान (पश्चिम बंगाल)

धार्मिक आयोजन ही समाज को आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर करते हैं: आचार्य निर्भयसागर

मुरैना में भगवान महावीर जन्मकल्याणक पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भव्य रथयात्रा ने किया नगर भ्रमण

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

जैनाचार्य 'वैज्ञानिक संत' आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में भगवान महावीर स्वामी का 2625वाँ जन्मकल्याणक महोत्सव मुरैना में अभूतपूर्व उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़े जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने मानवता के लिए शांति और आत्मचिंतन का मार्ग प्रशस्त किया।

आचार्यश्री का संदेश: "महावीर जन-जन के आराध्य"

आचार्यश्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान महावीर किसी एक संप्रदाय के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के आराध्य हैं। उन्होंने सत्य और अहिंसा का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी विश्व शांति के लिए प्रासंगिक है। 20 दिवसीय साधना का महत्व: आचार्यश्री ने सुझाव दिया कि प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ स्वामी से लेकर अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक तक (20 दिनों की अवधि) निरंतर धार्मिक आयोजन होने चाहिए। यह समय आत्मचिंतन, स्वाध्याय और साधना के लिए सर्वोत्तम है, जो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है।

जैन मित्र मंडल द्वारा भव्य अगवानी

समाजसेवी संस्था जैन मित्र मंडल के सौ से अधिक कार्यकताओं ने पारंपरिक वेशभूषा (श्वेत वस्त्र और गुलाबी-केसरिया पगड़ी) में शोभायात्रा की भव्य अगवानी की। गोपीनाथ की पुलिया पर मंडल के सदस्यों ने सामूहिक रूप से आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन किया और भगवान महावीर की आरती उतारी। कार्यकर्ताओं का अनुशासन और उत्साह पूरी यात्रा में आकर्षण का केंद्र बना रहा।

भक्ति का अनूठा संगम: हाथों से खींचा भगवान का रथ

नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब युवा साथी नंगे पैर चलकर भगवान महावीर के रथ को अपने हाथों से खींच रहे थे।

शोभायात्रा का मार्ग: भव्य रथयात्रा बड़े जैन मंदिर से प्रारंभ होकर गोपीनाथ की पुलिया, जीवाजी गंज, सूबात रोड, हनुमान चौराहा, स्टेशन रोड और सदर बाजार जैसे प्रमुख मार्गों से गुजरी।

आकर्षण: घोड़ों पर सवार पचरंगा ध्वज लिए युवा, बग्घियों में सवार इंद्र-इंद्राणी और मनमोहक झांकियों ने नगरवासियों का मन मोह लिया। आचार्य संघ के साथ सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु 'महावीर स्वामी की जय' के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

पाण्डुक शिला पर कलशाभिषेक: रथयात्रा के समापन पर प्रतिमाजी को पांडुक शिला पर विराजमान किया गया। पीत वस्त्र धारी इंद्रों ने प्रासुक शुद्ध जल से भगवान का कलशाभिषेक किया। जैसे ही जलधारा भगवान के मस्तक पर आई, संपूर्ण पांडाल घंटा-घड़ियालों की ध्वनि और जयकारों से गूंज उठा। इस मांगलिक क्रिया के साथ ही महोत्सव का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

सीकर में भक्तिभाव से मनाया गया भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव: 'वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता'

सीकर. शाबाश इंडिया

संपूर्ण विश्व को शांति और अहिंसा की राह दिखाने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव सोमवार को सीकर शहर में अपार उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। ''वर्तमान को पुनः वर्धमान की आवश्यकता है'' के संदेश के साथ आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में जनसैलाब उमड़ पड़ा।

प्रभात फेरी और ध्वजारोहण से हुआ शुभारंभ

जैन वीर संगम के तत्वावधान में प्रातः सालासर स्टैंड स्थित महावीर स्वामी मंदिर से अहिंसा सर्किल तक प्रभात फेरी निकाली गई। इसके पश्चात अहिंसा सर्किल पर मुख्य ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसका सौभाग्य माणक चंद प्रदीप कुमार छाबड़ा (बीड़ वाला परिवार) को प्राप्त हुआ।

भव्य शोभायात्रा: 'अहिंसा से ही विश्व शांति संभव'

दिगंबर जैन विद्यालय सोसायटी के नेतृत्व में विद्यालय परिसर से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों—अहिंसा सर्किल, स्टेशन रोड, जाट बाजार, बावड़ी गेट, सुभाष चौक और बजाज रोड से होती हुई पुनः विद्यालय पहुँची।

प्रमुख आकर्षण: शोभायात्रा में शाही लवाजमे के साथ विभिन्न जीवंत झांकियां सजाई गईं। इनमें 'विश्व शांति हवन' और 'ईरान-अमेरिका युद्ध' के परिप्रेक्ष्य में बैलेस्टिक मिसाइल जैसी झांकी ने लोगों को युद्ध त्याग कर शांति अपनाने का संदेश दिया।

सम्मान: यात्रा में वर्धमान स्कूल के बैंड और बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों की रैली भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक संध्या: राजनीतिक दिग्गजों की गरिमामयी उपस्थिति शोभायात्रा के समापन पर विद्यालय परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य अतिथि: राजस्थान सरकार के सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम दक।

अध्यक्षता: सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर।

विशिष्ट अतिथि: पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, विधायक गोरधन वर्मा (धोद), विधायक सुभाष मील (खंडेला), पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

मंत्री गौतम दक ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर ही समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव है। उन्होंने जैन समाज की सेवाभावी प्रकृति की सराहना की।

प्रतियोगिता परिणाम

झांकियों की प्रतियोगिता में जैन सोशल ग्रुप ने प्रथम, जैन मित्र मंडल ने द्वितीय और सन्मति जैन पाठशाला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आचार्य ज्ञानसागर सेवा मंच की 'विश्व शांति महायज्ञ' की झांकी को भी विशेष सराहना मिली।

मंगलाचार और पूर्व संध्या के कार्यक्रम

समाज के प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि महोत्सव की रौनक रविवार से ही शुरू हो गई थी, जब मंदिर में णमोकार मंत्र एवं भजन संध्या का आयोजन हुआ। साथ ही, भगवान आदिनाथ से लेकर महावीर जन्मकल्याणक तक महिलाओं द्वारा घर-घर मंगलाचार, नाटिकाएं, माता त्रिशला के 16 स्वप्नों का चित्रण और भक्तामर पाठ जैसे धार्मिक आयोजन किए गए।

महावीर जयंती: निंबाहेड़ा में सुमेरु पर्वत की मनमोहक रचना

श्रद्धा के साथ हुई शांतिधारा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन; प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का किया गया सम्मान

निंबाहेड़ा. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। श्रद्धा और भक्ति के इस समागम में समाज के श्रद्धालुओं ने आदर्श कॉलोनी स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन जिनालय में विशेष अनुष्ठान संपन्न किए।

सुमेरु पर्वत पर हुआ अभिषेक

समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी ने बताया कि जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में सुमेरु पर्वत की आकर्षक और भव्य रचना की गई। भगवान महावीर की प्रतिमा को सुमेरु पर्वत पर विराजमान कर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ कलशाभिषेक और शांतिधारा की। इसके पश्चात भक्तिमय भजनों के बीच प्रभु को पालने में झुलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

सांस्कृतिक संध्या और प्रतिभा सम्मान

धार्मिक अनुष्ठानों के बाद सायंकाल भगवान महावीर की महाआरती की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात महिला मंडल अध्यक्षा शशि जैन के नेतृत्व में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें समाज की प्रतिभाओं ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान धर्म सभा को संबोधित करते हुए समाज अध्यक्ष अशोक गदिया ने शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद द्वारा रक्तदान एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद द्वारा शास्त्री नगर में रक्तदान शिविर एवं निशुल्क चिकित्सा (मेडिकल) कैंप का सफल आयोजन किया गया। परिषद के अध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल ने बताया कि इन दोनों शिविरों का आयोजन स्वर्गीय डॉ. राजेंद्र छाबड़ा की पुण्य स्मृति में किया गया।

रक्तदान शिविर का विवरण

यह शिविर 'मरुधर ब्लड बैंक' के तकनीकी सहयोग से संपन्न हुआ, जिसमें कुल 70 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर की खास बात यह रही कि इसमें युवाओं के साथ-साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई।

निशुल्क चिकित्सा सुविधा

शिविर के संयोजक सुनील कुमार एवं ताराचंद गेंहिमलानी ने जानकारी दी कि कैंप के दौरान स्थानीय निवासियों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई गईं: ईसीजी और आंखों की जांच। बीपी एवं डायबिटीज की जांच। विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उचित परामर्श।

आभार एवं सम्मान

सचिव राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। अंत में, कैंप के कुशल संचालन के लिए सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ श्याम सहारा परिवार का आठवां मासिक संकीर्तन

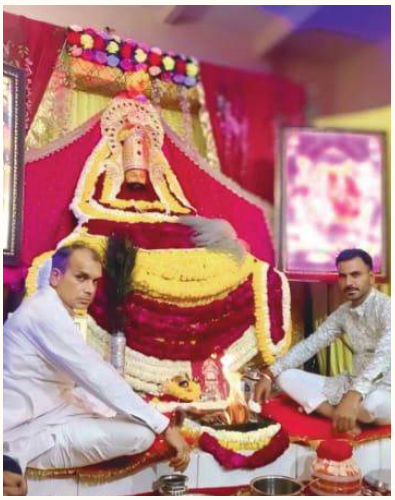

लक्ष्मणगढ़ (सीकर). शाबाश इंडिया। कस्बे के मुकंदगढ़ रोड स्थित प्राचीन श्याम हनुमान मंदिर द्वारा संचालित 'श्री श्याम सहारा परिवार' का आठवां मासिक संकीर्तन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस बार संकीर्तन का आयोजन श्याम प्रेमी शिव कुमार अमित कुमार जालान के निवास पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा गणेश वंदना से हुआ। इसके पश्चात सवाई सिंह चौहान, विनय तमोली, हरीश शर्मा, सुनील सोनी और नविका आचार्य सहित अन्य गायकों ने भजनों की ऐसी अमृत वर्षा की कि श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए। 'श्याम सहारा परिवार' के सुरेश बीबीपुरिया ने बताया कि आयोजन में बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया गया। इस अवसर पर पवन गोयनका, संदीप नेता, कमल तिवाड़ी, और अरुण भरतीया सहित भारी संख्या में मातृशक्ति एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बाबा की आरती कर प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में रमेश कुमावत, चंद्रप्रकाश चेजारा और विनीत बीबीपुरिया सहित सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

विकसित भारत 2047

यदि हम भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' के रूप में देखने की संकल्पना पर विचार करें, तो सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि–हम कैसा विकसित भारत चाहते हैं? क्या हम अमेरिका, यूरोप या जापान की प्रतिकृति बनना चाहते हैं? कदापि नहीं! हम केवल 'भारत जैसा विकसित भारत' चाहते हैं। हमारी संस्कृति, हमारा परिवेश और हमारा चिंतन विश्व से भिन्न और अद्वितीय है। किसी भी राष्ट्र की विकसित होने की पहचान केवल उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि उसकी खुशहाली, आंतरिक शक्ति और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी प्रतिष्ठा से होती है। यद्यपि आर्थिक सुदृढ़ता का आकलन जीएनपी, जीडीपी, विदेशी मुद्रा भंडार और प्रति व्यक्ति आय जैसे मानकों से किया जाता है, किंतु भारत के संदर्भ में विकास के पांच प्रमुख स्तंभ अनिवार्य हैं:

आर्थिक सुदृढ़ता
सामाजिक समरसता
सांस्कृतिक गौरव
राजनीतिक स्थिरता एवं शुचिता

विकासशील से विकसित बनने की प्रक्रिया का प्रभावी क्रियान्वयन

सन् 1947 की स्वतंत्रता के पश्चात, विशेषकर 1991 के आर्थिक सुधारों से हमने वैश्विक पटल पर स्वयं को सशक्त रूप से प्रस्तुत करना प्रारंभ किया। वर्तमान कालखंड भारत के लिए 'स्वर्णिम काल' है, क्योंकि यह युवाओं का भारत है–एक ऐसा भारत जिसके कंधे अधिक समर्थ और संकल्प अधिक दृढ़ हैं। हमें पश्चिमी देशों का अंधानुकरण करने के बजाय अपनी आंतरिक दुर्बलताओं को पहचानकर उन्हें दूर करना होगा। जातिवाद, संप्रदायवाद और भेदभाव की संकीर्णताओं को त्यागकर हमें 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्र-जागरण की ओर अग्रसर होना होगा। ''तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित'' के ध्येय वाक्य को केवल शब्दों में नहीं, बल्कि अपने व्यवहार में उतारना होगा। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि जब वर्ष 2047 में हम स्वतंत्रता की जन्मशती मनाएँ और पीछे मुड़कर 1947 की ओर देखें, तो हमें संतोष हो कि हमने अपने अमर शहीदों के बलिदान को सार्थक किया है। हमें गर्व होना चाहिए कि विज्ञान, संस्कृति और अर्थव्यवस्था के साथ-साथ हम हर संसाधन में 'आत्मनिर्भर' हैं। राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक सशक्त, सक्षम और साक्षर हो। विकसित होना हमारी वैश्विक पहचान के लिए भी अनिवार्य है। उदाहरणस्वरूप, 16वीं शताब्दी में गैलीलियो ने दूरबीन का आविष्कार कर सौरमंडल के रहस्य बताए, किंतु हमारे

ऋषि-मनीषियों ने हजारों वर्ष पूर्व 'नवग्रह पूजन' के माध्यम से यह ज्ञान संसार को दे दिया था। उस समय हमारे आधार सुदृढ़ न होने के कारण हम इस सत्य को वैश्विक मंच पर प्रमाणित नहीं कर सके। अतः हमें विकसित होना ही होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ जब विश्व मानचित्र को देखें, तो उन्हें अपना देश शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीक में किसी भी राष्ट्र से पीछे न लगे। डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने सत्य ही कहा था कि ''जब तक कोई राष्ट्र यह विश्वास नहीं कर लेता कि वह विकसित हो सकता है, तब तक वह विकसित नहीं हो सकता।'' अतः भारतीय युवाओं में वह आत्मविश्वास जाग्रत करना होगा कि वे स्वयं को 'विकसित भारत' का निर्माता मानें। जो राष्ट्र कभी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (सोने की चिड़िया) रहा हो, उसका 'विकासशील' कहलाना हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना के क्षरण का संकेत है। विकास का अर्थ केवल गगनचुंबी इमारतें नहीं हैं। यदि किसी गाँव में एक महल हो और बाकी झुग्गियाँ, तो वह विकसित नहीं है। किंतु यदि सभी के घर व्यवस्थित हों, रास्ते स्वच्छ हों और सुविधाएं समान हों, तो वह वास्तविक विकास है। भारत में संसाधनों या अवसरों की कमी नहीं है; आवश्यकता है तो बस प्रत्येक व्यक्ति को कौशल प्रदान कर उसे आत्मनिर्भर बनाने की। 'प्रज्वलित युवा मस्तिष्क' इस धरा का सबसे शक्तिशाली संसाधन है। इस महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए क्रांति हमारे विचारों में जन्म लेनी चाहिए। अंततः, सरकार और जनमानस के सम्मिलित प्रयासों से हम स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ पर एक ऐसे भारत का उत्सव मनाएंगे जो न केवल आर्थिक और वैज्ञानिक रूप से संपन्न होगा, बल्कि विश्व का 'सांस्कृतिक मार्गदर्शक' भी होगा।

मिट्टी ने चुपचाप बीजों से कहा–समय आने दो, मैं खुद को वृक्ष बनाकर आकाश से बात करूँगी।

– ऋचा चंद्राकर 'तत्वाकांक्षी'

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

जीओ और जीने दो के सूत्र के प्रतिपादक, अहिंसामय विश्वधर्म के प्रवर्तक श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव का आयोजन जैन वीर मंडल के तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्म कल्याणक के अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रातःकाल सभी मंदिरों में सुबह 7 बजे अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अजमेरी मंदिर के मंत्री मनोज पाण्ड्या एवं सुभाष रावंका ने बताया कि प्रातः 8:30 बजे अजमेरी मंदिरजी से घट यात्रा का भव्य जुलूस प्रारंभ हुआ। यह जुलूस नई नसियांजी होते हुए महावीर चौक पहुंचा, जहां ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात जुलूस बस स्टैंड, अम्बेडकर सर्किल, डीडवाना रोड और अहिंसा सर्किल होते हुए महावीर उद्यान पहुंचा। वहां भगवान महावीर का पाण्डुशिला पर कलशाभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसके बाद जुलूस आथूना दरवाजा होते हुए पुनः अजमेरी मंदिरजी पहुंचा। सौभाग्यमल गंगवाल ने बताया कि दोपहर 4 बजे रथ यात्रा पुरानी धान मंडी से प्रारंभ होकर सदर बाजार, गोल प्याऊ, अम्बेडकर सर्किल एवं जैन भवन होते हुए वापस नागौरी मंदिर पहुंची। रात्रि 7 बजे अजमेरी मंदिर में भगवान महावीर की भव्य आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जन्म कल्याणक के पूर्व दिवस 29 मार्च 2026 को सायंकाल 7 बजे अहिंसा सर्किल, डीडवाना रोड पर दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके पश्चात 7:30 बजे श्री 1008 भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, डीडवाना रोड पर समाज द्वारा धर्म आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। महावीर इंटरनेशनल, वैश्य महासंगठन, लायंस क्लब फोर्ट, अग्रवाल समाज एवं अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा जुलूस के दौरान पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

-सुभाष पहाड़िया

गोवर्धन आधारित अर्थव्यवस्था से ही देश का पुनर्जागरण एवं आत्मनिर्भरता संभव: नवीन कुमार भंडारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रख्यात समाजसेवी नवीन कुमार भंडारी ने देश के समग्र विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में गोवर्धन (गौ आधारित अर्थव्यवस्था) की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि भारत के पुनर्जागरण का मार्ग गौ आधारित अर्थव्यवस्था से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि गौ माता से प्राप्त गोबर, गोमूत्र एवं अन्य उत्पाद कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए

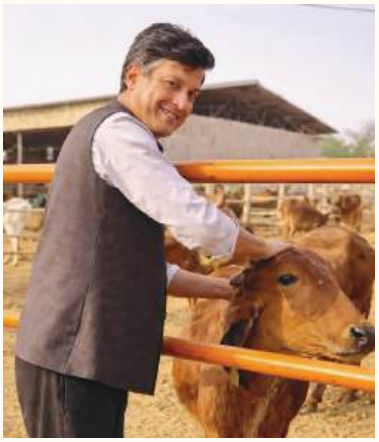

अत्यंत उपयोगी हैं। इनके माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा मिलता है, भूमि की उर्वरता बढ़ती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। नवीन कुमार भंडारी ने आगे कहा कि गोवर्धन मॉडल को अपनाकर गांवों में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त बनेगी। इस अवसर पर उन्होंने सरकार से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि गोपालन को बढ़ावा देने के लिए गोबर एवं गोमूत्र के संग्रह, प्रसंस्करण और विपणन हेतु सशक्त व्यवस्थाएं विकसित की जानी चाहिए। साथ ही इन उत्पादों पर उचित सब्सिडी एवं प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जाएं, ताकि किसान अधिक से अधिक गौ आधारित गतिविधियों से जुड़ सकें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को किसानों तक पहुंचकर उन्हें गौ उत्पादों के उपयोग और लाभ के प्रति प्रेरित करना चाहिए। इसके साथ ही आमजन में जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाए जाएं, जिससे हर घर में गौ उत्पादों का उपयोग सुनिश्चित हो सके। नवीन कुमार भंडारी ने कहा कि यदि सरकार, समाज और किसान मिलकर इस दिशा में कार्य करें, तो न केवल देश आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सुधार और आर्थिक समृद्धि के नए आयाम भी स्थापित होंगे। अंत में उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे गौ संरक्षण, जैविक खेती और स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। ''गोवर्धन से समृद्धि, गौ सेवा से शक्ति और आत्मनिर्भरता से सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।''

"सफलता जहां परंपरा है"

विकास मॉडल स्कूल ने फिर रचा इतिहास

राजस्थान बोर्ड परिणामों में रावतसर के विद्यार्थियों का दबदबा; 127 छात्र प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

संस्था प्रधान हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि नींव जितनी मजबूत हो, इमारत उतनी ही भव्य होती है। कक्षा 5वीं के 58 नन्हे विद्यार्थियों ने 'अ ग्रेड' प्राप्त की, वहीं कक्षा 8वीं के 31 विद्यार्थियों ने भी 'अ ग्रेड' हासिल कर विद्यालय की गौरवगाथा में नया अध्याय जोड़ा। 52 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी योग्यता सिद्ध की।

रावतसर (नरेश सिगची). शाबाश इंडिया। मंगलवार की शाम जैसे ही राजस्थान बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित हुए, रावतसर का विकास मॉडल पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय खुशियों और गर्व के रंगों में सराबोर हो उठा। विद्यालय ने एक बार फिर अपने ध्येय वाक्य ''सफलता जहाँ परंपरा है'' को चरितार्थ करते हुए समूचे क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहराया है।

कक्षा 10वीं: मेधावियों ने लहराया सफलता का ध्वज

प्रधानाचार्य नंदलाल जांगिड़ ने बताया कि विद्यालय का कक्षा 10वीं का परिणाम अभूतपूर्व रहा। कुल 127 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया है।

90 प्रतिशत से अधिक अंक: 12 होनहार विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

75% से अधिक अंक: 72 विद्यार्थियों ने 75% से अधिक (डिस्टिंक्शन) अंक हासिल किए।

गार्गी पुरस्कार: विशेष उल्लेखनीय रहा कि 33 छात्राओं का चयन गार्गी पुरस्कार के लिए हुआ है, जो महिला शिक्षा के प्रति विद्यालय के समर्पण का प्रतीक है।

गौरवशाली सितारे (प्रतिभा सूची): लक्षिता (96.67%), आरजू (96.17%), मन्नत बतरा (95.67%), मान्यता (94.83%), सौम्य (94.83%), यशवर्धन तिवारी (94.00%), चेतना (92.33%), कन्हैया लाल (92.33%), कमलेश (91.50%), रजत पारीक (90.67%), पल्लवी चौधरी (90.17%) और जश्नदीप कौर (90.17%) ने श्रेष्ठ अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

नन्हे कदम, बड़ी उड़ान: कक्षा 5वीं और 8वीं का प्रदर्शन

संस्था प्रधान हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि नींव जितनी मजबूत हो, इमारत उतनी ही भव्य होती है। कक्षा 5वीं के 58 नन्हे विद्यार्थियों ने 'अ ग्रेड' प्राप्त की, वहीं कक्षा 8वीं के 31 विद्यार्थियों ने भी 'अ ग्रेड' हासिल कर विद्यालय की गौरवगाथा में नया अध्याय जोड़ा। 52 विद्यार्थियों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी योग्यता सिद्ध की।

जश्न और सम्मान का माहौल

परिणाम की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर ढोल-नगाड़ों की गूंज से भर गया। सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का राजस्थानी साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर भव्य अभिनंदन किया गया। मेधावी छात्र-छात्राओं को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। अभिभावकों ने विद्यालय के 35 वर्षों के अनुशासित शैक्षणिक वातावरण की सराहना की। अंत में संस्था प्रधान हनुमान प्रसाद शर्मा और प्रधानाचार्य नंदलाल जांगिड़ ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, शिक्षकों की लगन और अभिभावकों के अटूट विश्वास को दिया।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा गणगौर उत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा गणगौर उत्सव का भव्य आयोजन जयपुर री ढाणी में उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्रुप के दंपत्ति सदस्यों ने पारंपरिक लोकगीतों पर सुंदर एवं मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर सभी सदस्यों ने पारंपरिक संस्कृति को जीवंत करते हुए उत्सव का भरपूर आनंद लिया। वहीं ग्रुप सचिव अजय जैन ने जानकारी दी कि महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर सभी सदस्यों द्वारा भगवान महावीर की 108 दीपकों से भव्य आरती की गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष अभय अंजना गंगवाल को उनकी शादी की सालगिरह के उपलक्ष में पदाधिकारियों द्वारा तिलक एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी सदस्यों को आकर्षक उपहार भी प्रदान किए। कार्यक्रम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष मनीष झंझरी, पूर्व अध्यक्ष राहुल जैन, संयुक्त सचिव विजय जैन एवं कोषाध्यक्ष संजय गोधा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक संदीप आरती जैन द्वारा विभिन्न मनोरंजक गेम्स का आयोजन किया गया, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष मनीता एवं रमेश संगीता ने किया।

'निर्मला फाउंडेशन' के साहित्यिक महाकुंभ में गूंजीं रचनाओं की स्वर लहरियां

सांताक्रुज में उमड़ा साहित्यकारों, फिल्म निर्देशकों और बुद्धिजीवियों का सैलाब

मुंबई. शाबाश इंडिया। सांताक्रुज रेलवे कॉलोनी परिसर में मुंबई की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'निर्मला फाउंडेशन' का भव्य सारस्वत समारोह 29 मार्च को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस गरिमामयी आयोजन में मायानगरी के दिग्गज साहित्यकारों, फिल्म निर्देशकों, निर्माताओं, संगीतकारों और समाजसेवियों ने शिरकत की।

काव्यपाठ बना आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण काव्यपाठ रहा, जिसमें रचनाकारों ने अपनी लेखनी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। **वरिष्ठ रचनाकार:** डॉ. नीलिमा पांडेय ने अपनी चूनर को 'धानी' रंग में रंगते हुए विचारपरक दोहे और गीतिकाएं प्रस्तुत कीं, जिस पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। **प्रमुख स्वर:** लक्ष्मीकांत 'कमलनयन' ने संसार के सुख की कामना की, तो डॉ. शशिकला पटेल ने साहित्य को समाज का सच्चा पथ-प्रदर्शक बताया। उषा अशोक ने 'माँ से बड़ा देव न दूजा' के माध्यम से वात्सल्य के भाव बिखेरे। अर्चना वर्मा सिंह, कवयित्री कृष्णा, सत्यवती मौर्या और विद्या शर्मा की रचनाएं भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं।

सांस्कृतिक समन्वय और मानवता का संदेश: कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. मधुराज मधु ने अपने संबोधन में मानवतावादी मूल्यों और समाज के एकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने इस अवसर पर अपनी आगामी भोजपुरी फिल्म के विषय में भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। संस्था की ओर से डॉ. शशिकला पटेल, अमर बहादुर पटेल और चंद्र बाबू यादव ने कार्यक्रम के सफल संयोजन में महती भूमिका निभाई।

गणमान्य उपस्थिति: समारोह में दिव्या जैन, जवाहर लाल 'निर्झर', कल्पेश यादव, विनय शर्मा 'दीप', त्रिलोचन सिंह अरोड़ा, नामदार राही और पत्रकार यशपाल शर्मा सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जलपान के पश्चात पत्रकारों से सार्थक वार्ता हुई और भविष्य की साहित्यिक योजनाओं पर चर्चा की गई।

कटनी में रचा गया स्वर्णिम इतिहास

महाकोशल-विंध्य रीजन के 6 ग्रुपों का ऐतिहासिक संयुक्त शपथ ग्रहण

परिश्रम और तालमेल से संपन्न हुआ गरिमामयी आयोजन; राष्ट्रीय पदाधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कटनी. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए, रविवार 29 मार्च को कटनी में महाकोशल-विंध्य रीजन के 6 ग्रुपों का संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह भव्यता और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात रही।

भक्ति और संस्कार से शुभारंभ

कार्यक्रम के प्रथम चरण में गौशाला स्थित नवनिर्मित भव्य जिनमंदिर में सभी राष्ट्रीय एवं रीजन पदाधिकारियों ने भगवान श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ जी की शांतिधारा, प्रक्षाल एवं श्रीजी के प्रमार्जन का पुण्य लाभ लिया। तत्पश्चात, कटनी मेन ग्रुप एवं कटनी रॉयल ग्रुप की महिलाओं व बच्चों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक 'मंगलगान' ने समारोह को एक आध्यात्मिक और प्रभावशाली शुरूआत प्रदान की। फेडरेशन के महासचिव एवं शपथविधि अधिकारी श्री विनय अनिता जैन ने अत्यंत योजनाबद्ध तरीके से सभी 6 ग्रुपों के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह गरिमामय आयोजन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अश्विन कासलीवाल, अतिरिक्त महासचिव श्री प्रदीप झाँझरी, श्री प्रवीण सिंघई एवं रीजन के निवर्तमान अध्यक्ष श्री प्रदीप जैन की विशिष्ट उपस्थिति में संपन्न हुआ।

समर्पण और आपसी तालमेल की मिसाल

रीजन अध्यक्ष सीए मनोज जैन के महीनों के श्रम, सचिव श्री हेमंत सपना जी एवं कोषाध्यक्ष श्री सुनील चित्रा घिया जी के समर्पित प्रयासों ने महासचिव श्री विनय जैन की 'संयुक्त शपथ ग्रहण' की भावना को साकार कर दिखाया। इस सफल आयोजन के लिए कटनी मेन ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष श्री मगन जैन जी, निवर्तमान अध्यक्ष श्री संजय जैन, नवनियुक्त अध्यक्ष श्री सुधीर जैन एवं कटनी रॉयल ग्रुप के निवर्तमान अध्यक्ष श्री अंकित जैन तथा नवनियुक्त अध्यक्ष श्री आकेत जैन सहित समस्त ऊर्जावान टीम बधाई की पात्र है।

विशेष आकर्षण: रॉयल आतिथ्य

कटनी रॉयल ग्रुप के अध्यक्ष भाई आकेत जैन द्वारा उपलब्ध कराया गया सुव्यवस्थित एवं वातानुकूलित परिसर भीषण गर्मी में भी सुकून भरा रहा। कार्यक्रम के समापन सत्र में परोसे गए लजीज एवं स्वादिष्ट व्यंजनों ने इस आयोजन को सभी के लिए यादगार बना दिया। कटनी मेन ग्रुप के वरिष्ठों का मार्गदर्शन और रॉयल ग्रुप के युवाओं का ऊर्जावान तालमेल इस सफलता का मुख्य आधार रहा। समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को सफल कार्यकाल हेतु हार्दिक मंगलकामनाएं।

✍ **नितिन जैन**
राष्ट्रीय मीडिया संयोजक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर श्री वीर सेवक मंडल, जयपुर द्वारा श्री महावीरजी में प्रभात फेरी निकाली गई।

पिंक सिटी प्रेस क्लब चुनाव

मुकेश मीणा अध्यक्ष और राजकुमार जकड़ी बने महासचिव

नई कार्यकारिणी का हुआ उदय; कोषाध्यक्ष पद पर नमोनारायण अवस्थी ने दर्ज की शानदार जीत

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के पत्रकारों की प्रतिष्ठित संस्था 'पिंक सिटी प्रेस क्लब लिमिटेड' की प्रबंध कार्यकारिणी के वार्षिक चुनाव (सत्र 2026-27) के परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिए गए। लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में संपन्न हुए इस चुनाव में पत्रकारों ने भारी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए नई टीम को संगठन की कमान सौंपी है।

अध्यक्ष पद पर मुकेश मीणा की वापसी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिल शेखावत ने आधिकारिक परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि अध्यक्ष पद पर मुकेश कुमार मीणा ने 369 वोट हासिल कर विजयश्री प्राप्त की। कड़े मुकाबले में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को शिकस्त देकर मीणा एक बार फिर क्लब के शीर्ष पद पर काबिज हुए हैं। पूर्व में भी अध्यक्ष रह चुके मुकेश मीणा की जीत को उनके अनुभव और संगठन में सक्रियता का प्रतिफल माना जा रहा है।

राजकुमार जकड़ी और नमोनारायण की निर्णायक जीत

महासचिव पद पर राजकुमार शर्मा 'जकड़ी' ने सर्वाधिक प्रभाव छोड़ते हुए 430 वोट प्राप्त किए और अपनी सांगठनिक पकड़ को साबित किया। वहीं, कोषाध्यक्ष पद पर नमोनारायण अवस्थी ने 447 वोटों के साथ स्पष्ट बढ़त बनाते हुए जीत दर्ज की। अब क्लब की वित्तीय जिम्मेदारी अवस्थी के कंधों पर होगी।

उपाध्यक्ष पद पर डॉ. मोनिका और पुष्पेंद्र निर्वाचित

उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए हुए कड़े संघर्ष में डॉ. मोनिका शर्मा (416 वोट) और पुष्पेंद्र सिंह राजावत (399 वोट) निर्वाचित घोषित किए गए। कार्यकारिणी के अन्य पदों के परिणाम भी देर शाम तक स्पष्ट हो गए। चुनाव परिणाम सामने आते ही प्रेस क्लब परिसर 'जिंदाबाद' के नारों और ढोल-नगाड़ों की गूंज से भर गया। विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों ने गुलाल उड़ाकर और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। नवनिर्वाचित टीम ने विश्वास दिलाया है कि वे पत्रकार हितों की रक्षा, उनके कल्याणकारी कार्यों और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

।। श्री महावीराय नमः ।।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (राजस्थान)

वार्षिक मेला - 2026

27 मार्च से 03 अप्रेल 2026

मेले के मुख्य आकर्षण

चैत्र सुदी 9-10 वीर नि.सं. 2552, शुक्रवार 27 मार्च, 2026
मेले की स्थापना

चैत्र सुदी 13 वीर नि.सं. 2552, सोमवार 30 मार्च, 2026
महावीर जयन्ती
प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, जल यात्रा, धर्मसभा, दिव्यांग शिविर
सांस्कृतिक संध्या
(दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय श्री महावीरजी के सौजन्य से)
सांस्कृतिक संध्या
(महानाट्य प्रस्तुति रंगशाला एकेडमी, साधना मादावत इन्दौर द्वारा)

चैत्र सुदी 14 वीर नि.सं. 2552, मंगलवार 31 मार्च, 2026
भक्ति संध्या
(श्री नरेन्द्र कुमार जैन, जयपुर द्वारा)
राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या
(पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान के सौजन्य से)

चैत्र सुदी15 वीर नि.सं. 2552, बुधवार 01 अप्रेल, 2026
सांस्कृतिक संध्या
महिला जागृति संघ, जयपुर द्वारा
राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

वैशाख कृष्णा 01 वीर नि.सं. 2552 गुरुवार 02 अप्रेल, 2026
विशाल रथयात्रा एवं कलशाभिषेक

वैशाख कृष्णा 02 वीर नि.सं. 2552 शुक्रवार 03 अप्रेल, 2026
ग्रामीण खेल-कूद, कुश्ती दंगल
मेला समापन

प्रमुख दैनिक कार्यक्रम: सामूहिक पूजन (श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर द्वारा), भजन, सामूहिक आरती, नृत्य आदि

इस मंगलमय पुनीत अवसर पर सपरिवार पधारने हेतु अनुरोध ।

विनीत: प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल (अध्यक्ष), चन्द्र प्रकाश जैन (उपाध्यक्ष), पूनम चन्द्र शाह (उपाध्यक्ष), उमरावमल संघी (मंत्री), रूपिन के. काला (संयुक्त मंत्री), अनिल पाटनी (दीवान) (संयुक्त मंत्री),हेमन्त सौगानी (कोषाध्यक्ष)
सदस्य: नरेश कुमार सेठी, पदेन अध्यक्ष भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, मुम्बई, डॉ कमल चन्द सौगानी, जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन, अशोक जैन, शान्ति कुमार जैन, कमल कुमार बड़जात्या,
जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन, अशोक पाटनी, सुभाषचन्द जैन, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, विवेक काला, डॉ. पदमकुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, सुरेश सबलावत

आदर्श पुरुष: भगवान महावीर

संयम की ज्योति जलाकर,
मानवता का पथ दिखाया,
त्याग, तपस्या और करुणा से,
जीवन को आदर्श बनाया।

अहिंसा का पावन संदेश,
जिसने जग में फैलाया,
क्रोध, लोभ और मोह त्याग,
सत्य का दीप जलाया।

हर प्राणी में आत्मा देख,
समता का भाव जगाया,
दया, क्षमा और मैत्री से,
जीवन का अर्थ समझाया।

न कोई ऊँच, न कोई नीच,
सबमें एक प्रकाश है,
महावीर का यही संदेश,
मानवता की आस है।

त्याग और तप के उस पथ पर,
चलना ही सच्चा सम्मान,
जहाँ प्रेम ही धर्म बने,
और करुणा बने पहचान।

युगों-युगों तक जग में गूँजे,
महावीर का यह उपदेश–
अहिंसा, सत्य और संयम से,
जीवन बनता है विशेष।

सत्य भूषण शर्मा
(प्रवक्ता, पत्रकार, लेखक,
कवि व यूट्यूबर)
उदयपुर, राजस्थान
मो. 9414934304

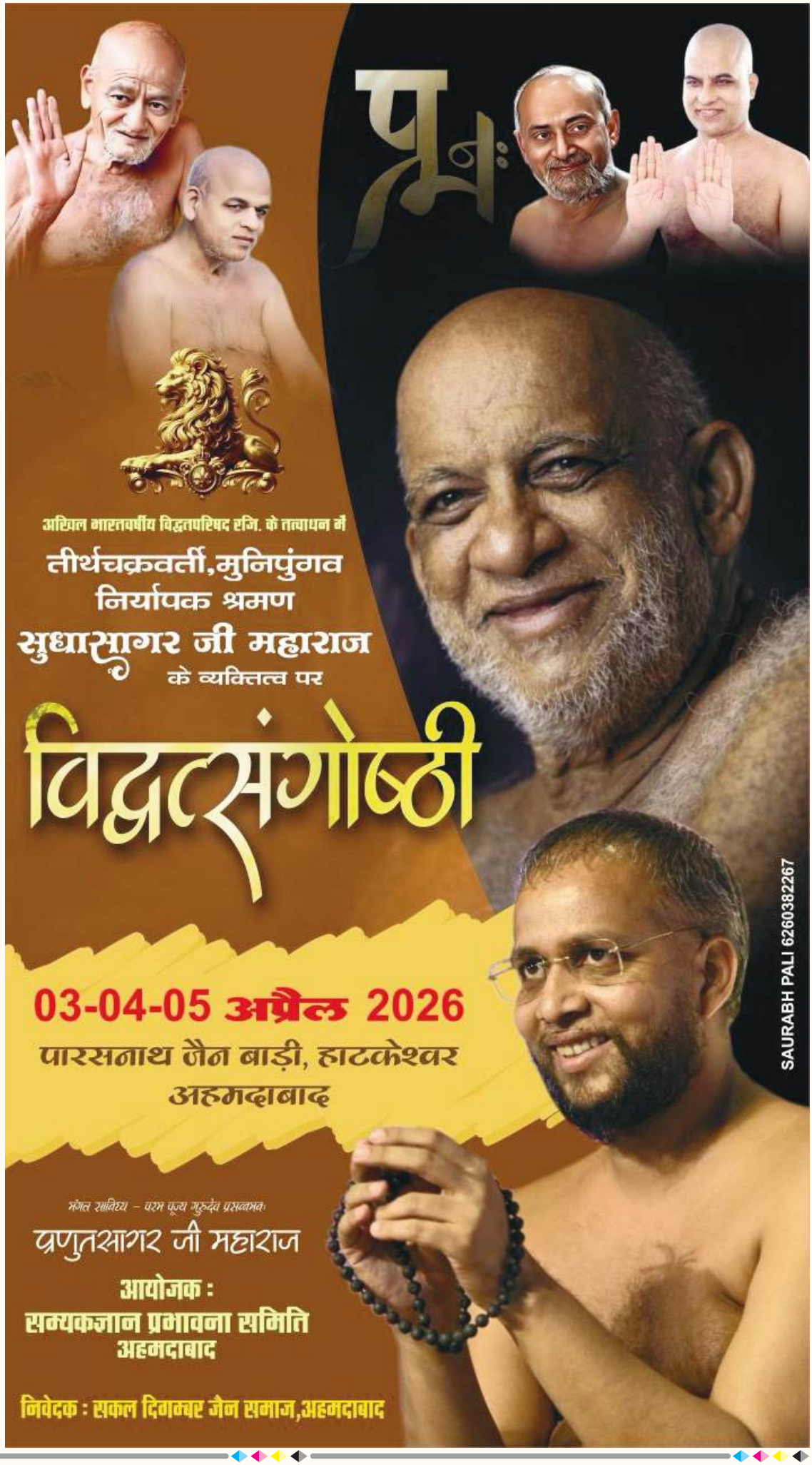

इंदौर में श्रद्धा और वैभव के साथ निकली भगवान महावीर की ऐतिहासिक स्वर्ण रथयात्रा

7 संतों का मिला सानिध्य; 'जियो और जीने दो' के जयघोष से गुंजायमान हुई अहिल्या नगरी

इंदौर. शाबाश इंडिया

अहिल्या नगरी इंदौर में समग्र दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव अभूतपूर्व उत्साह के साथ मनाया गया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण नगर भ्रमण पर निकली ऐतिहासिक स्वर्ण रथयात्रा रही, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

स्वर्ण रथ और भव्य शोभायात्रा

दिगंबर जैन सामाजिक संसद के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल, आनंद गोधा एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि शोभायात्रा का शुभारंभ दोपहर 2:30 बजे नवीन गोधा द्वारा किया गया। लगभग 3 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में 24 विभिन्न समाजों, सोशल ग्रुपों और स्टडी ग्रुपों की भव्य झांकियां शामिल थीं। **विशेष आकर्षण:** पहली बार स्वर्ण रथ को मयंक जैन के नेतृत्व में युवाओं ने अपने हाथों से खींचा। रजत पालकी में विराजित भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा के सारथी बनने का सौभाग्य रोहित गंगवाल को प्राप्त हुआ। शोभायात्रा में बैंड-बाजे, 4 हाईटेक बग्घियां, 11 घोड़े और कृत्रिम हाथी आकर्षण का केंद्र रहे।

यात्रा मार्ग और स्वागत

शोभायात्रा मल्हारगंज से प्रारंभ होकर गोरा कुंड, खजूरी बाजार, राजबाड़ा और जवाहर मार्ग होती हुई शाम 5:25 बजे पुनः कांच मंदिर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह स्वागत मंचों से पुष्पवर्षा कर भगवान की अगवानी की गई। इस अवसर पर 'महावीर टाइम्स' पत्रिका का विमोचन हेमंत जैन द्वारा किया गया।

राजनीतिक एवं सामाजिक सहभागिता

आयोजन में मध्य प्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक मालिनी गौड़, मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, पार्षद राजीव जैन और जयदीप जैन सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को प्रासंगिक बताते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

धर्मसभा: संतों का दिव्य संदेश

समारोह में 7 दिगंबर संतों का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। मुनि श्री विमल सागर जी महाराज ने विश्व शांति के लिए 'अहिंसा' और 'जियो और जीने दो' के संदेश पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को मद्य, मांस, मधु और पंच पापों के त्याग का संकल्प दिलाते हुए कहा कि वास्तविक जन्मोत्सव तभी सार्थक है जब हम संयमित जीवन जिएं। धर्मसभा का कुशल संचालन मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने किया।

प्रमुख उपस्थिति एवं आभार

इस भव्य आयोजन में समाज श्रेष्ठी राजकुमार पाटोदी, नरेंद्र वेद, देवेंद्र सोगानी, जेनेश झांझरी, पिंकेश टोंग्या, डी.के. जैन, सुरेंद्र बाकलीवाल, सौरभ पाटोदी, मुकेश टोंग्या, महावीर जैन और अनामिका बाकलीवाल सहित हजारों धर्मावलंबी उपस्थित थे। अंत में अध्यक्ष द्वय विनय बाकलीवाल व आनंद गोधा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

किशनगढ़: 'जियो और जीने दो' के संकल्प के साथ मनाया गया महावीर जन्मोत्सव

ज्ञानोदय नवयुवक मंडल द्वारा चिकित्सालय में दुग्ध वितरण व 5 दिवसीय निःशुल्क भोजन सेवा प्रारंभ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

मदनगंज-किशनगढ़। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर श्री दिगम्बर जैन ज्ञानोदय नवयुवक मंडल द्वारा सेवा और परोपकार की अनूठी मिसाल पेश की जा रही है। 'जियो और जीने दो' के दिव्य संदेश को आत्मसात करते हुए मंडल द्वारा नगर में विभिन्न सेवा प्रकल्पों का आयोजन किया गया। सोमवार प्रातः मंडल के सदस्यों ने राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल पहुँचकर मरीजों एवं जरूरतमंदों को दूध तथा बिस्किट का वितरण किया। दोपहर में फलाहार वितरण के माध्यम से 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' की भावना को साकार रूप दिया गया।

5 दिवसीय निःशुल्क भोजन सेवा

मंडल के गौरव पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 28 मार्च से 1 अप्रैल 2026 तक सेवा भारती में 5 दिवसीय निःशुल्क भोजन व्यवस्था संचालित की जा रही है। इस सेवा कार्य से प्रतिदिन बड़ी संख्या में जरूरतमंद लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का संदेश केवल शब्दों में नहीं, बल्कि आचरण में उतारना ही हमारा लक्ष्य है।

करुणा और सहयोग का संदेश

मंडल मंत्री इंदरचंद पाटनी ने कहा कि सेवा ही हमारा परम धर्म और कर्म है। ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य समाज में दया, करुणा और परस्पर सहयोग की भावना को सुदृढ़ करना है। सेवा कार्यों के दौरान अंकित छाबड़ा, विकास पाटनी, दीपक कासलीवाल, डी.सी. पाटनी,

अखिल जैन 'मनु', हर्ष अजमेरा, भव्य पाण्ड्या, पवन पाटनी, प्रदीप झांझरी, पंकज अजमेरा, जितेन्द्र पाटनी, शुभम जैन, पंकज गंगवाल, स्पर्श पाटनी, पीयूष अजमेरा और अतिशय गंगवाल सहित मंडल के अनेक समर्पित सदस्य उपस्थित रहे।

मानसरोवर में गूंजे भगवान महावीर के जयकारे: अहिंसा वाहन रैली में उमड़ा जनसैलाब

जयपुर की कॉलोनियों में निकलीं प्रभातफेरियां; 1008 दीपकों से हुई महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व को 'जियो और जीने दो' का अमर संदेश देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2625वाँ जन्मकल्याणक महोत्सव सोमवार को गुलाबी नगरी में पूर्ण श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव की पूर्व संध्या पर रविवार को शहर की विभिन्न कॉलोनियों में प्रभातफेरियों, अहिंसा वाहन रैलियों और महाआरती के आयोजनों ने वातावरण को धर्ममय कर दिया।

प्रभातफेरियां और अहिंसा संदेश

अभादि जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि रविवार प्रातः सूर्य नगर, तारों की कूट और दुगार्पुरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रभातफेरियां निकाली गईं। इनमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने सम्मिलित होकर महावीर भगवान के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया।

विशाल अहिंसा वाहन रैली

मानसरोवर में एस.एफ.एस. स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से वरुण पथ स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर तक एक विशाल अहिंसा वाहन रैली निकाली गई।

शुभारंभ: समाजश्रेष्ठी प्रो. इन्द्रप्रभ एवं प्रो. मृदुला ने दीप प्रज्वलन व ध्वजारोहण कर रैली का आगाज किया।

मार्ग: रैली थड़ी मार्केट, मीरा मार्ग और हीरा पथ के मंदिरों से होती हुई वरुण पथ पहुंची। यहाँ राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, राजेंद्र सेठी और जे.के. जैन ने जैन ध्वज दिखाकर रैली को रवाना किया।

आकर्षण: महिलाएं ट्रैक्टर-ट्रालियों में बैठकर भजन गाते हुए शामिल हुईं। अंत में वरुण पथ मंदिर में 1008 दीपकों से भगवान की भव्य महाआरती की गई।

सोमवार के मुख्य आयोजन: अभिषेक और शांतिधारा

सोमवार प्रातः 6:00 बजे सभी दिगंबर जैन मंदिरों में भगवान महावीर का अभिषेक और विश्व शांति की कामना के साथ शांतिधारा की जाएगी। पूजा के दौरान विशेष 'जन्मकल्याणक अर्घ्य' समर्पित किया जाएगा:

"जनम चैत सित तेरस के दिन
कुण्डलपुर कन वरना।
सुरगिर सुरगुरु पूजा रचायो, मै पूजो भव
हरना।। मोहि राखो हो सरना।"

विशाल शोभायात्रा और धर्मसभा

मंदिरों में पूजन के पश्चात जयपुर के सभी जैन बंधु, महिला मंडल और युवा मंडल राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में मनिहारों का रास्ता स्थित महावीर पार्क से निकलने वाली विशाल शोभायात्रा में सम्मिलित होंगे। शोभायात्रा का समापन रामलीला मैदान में एक भव्य धर्मसभा के रूप में होगा। मुख्य संयोजक लोकेश सोगानी एवं सौभाग्य मल जैन ने सभी श्रद्धालुओं से इन आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

महारानी फार्म में श्रद्धा और उल्लास के साथ मना महावीर जन्मोत्सव; भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु

जयपुर (उदयभान जैन). शाबाश इंडिया। गायत्री नगर, महारानी फार्म स्थित जैन मंदिर में 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया गया। आचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज के आशीर्वाद से गायत्री नगर पुलक मंच परिवार एवं मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में भव्य पालना और भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। पुलक मंच की धार्मिक मंत्री अनिता बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या के नेतृत्व में महाआरती से हुई। मंदिर के तलघर में भगवान के बाल्यकाल का आकर्षक पालना सजाया गया, जिसे झुलाने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सर्वप्रथम सौधर्म इंद्र के रूप में रिखब-मधु पाण्डया ने सहभागिता की। तत्पश्चात संतोष-कान्ता (माता-पिता), अशोक-नीलू गंगवाल (कुबेर इंद्र) सहित अशोक बड़जात्या, कैलाश छाबड़ा, उदयभान जैन और मंजू सेवा वाली जैसे सैकड़ों परिवारों ने उत्साहपूर्वक पालना झुलाया। इस अवसर पर बच्चों और महिलाओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष अरुण शाह ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। अंत में पुलक मंच के संरक्षक अनिल टोंग्या ने आभार व्यक्त किया। संपूर्ण परिसर महावीर के जयकारों और 'जियो और जीने दो' के संदेश से गुंजायमान रहा।

महावीर जयंती पर "प्राच्य भारतीय सांस्कृतिक अध्ययन एवं अनुसन्धान संस्थान" का शुभारंभ

डॉ. हरिश्चंद जैन शास्त्री सागर ने संभाला निदेशक का कार्यभार

सागर (म.प्र.). शाबाश इंडिया। प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन द्वारा स्थापित "प्राच्य भारतीय सांस्कृतिक अध्ययन एवं अनुसन्धान संस्थान" का शुभारंभ महावीर जयंती के पावन अवसर पर अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह संस्थान प्राकृत, पालि एवं संस्कृत से संबंधित पुरातात्त्विक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन के संवर्धन हेतु समर्पित है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन तथा नई पीढ़ी में उसके प्रसार को सुदृढ़ करना है। संस्थान के निदेशक के रूप में डॉ. हरिश्चंद जैन शास्त्री (सागर) ने कार्यभार संभाला।

कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कहा कि प्राकृत सहित समस्त प्राच्य भाषाओं के शोध को बढ़ावा दिया जाएगा तथा पांडुलिपि संरक्षण एवं संवर्धन के लिए शीघ्र ही ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसे गति प्रदान की जाएगी। उद्घाटन समारोह में पंडित श्री उदयचंद जैन शास्त्री, संदीप जैन शास्त्री, अभिषेक जैन शास्त्री, पंडित श्री प्रकाश जैन एवं डॉ. आशीष जैन आचार्य सहित अनेक विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने इस संस्थान को भारतीय संस्कृति एवं प्राकृत अध्ययन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए आशा व्यक्त की कि इसके माध्यम से शोध, शिक्षण और सांस्कृतिक जागरण को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने इसे समाज एवं शिक्षा जगत के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया।

सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर में ओरिएंटेशन सत्र आयोजित

सांगानेर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल के सभागार में सोमवार को नवप्रवेशी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शालिनी कपूर के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने श्री एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए विद्यालय संयोजिका श्रीमती वीना जामड के निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व, प्रेरणा एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के दृष्टिकोण, शैक्षणिक ढांचे, नियमों, सह-शैक्षणिक गतिविधियों तथा छात्र सहयोग प्रणाली की विस्तृत जानकारी अभिभावकों के साथ साझा की गई। प्राचार्या ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अभिभावकों एवं विद्यालय के मध्य सशक्त समन्वय की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। यह कार्यक्रम अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी मंच सिद्ध हुआ। ओरिएंटेशन सत्र में अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही तथा कार्यक्रम सकारात्मक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भगवान महावीर जयंती पर लायंस क्लब ने बांटी खुशियां; 51 बच्चे हुए लाभान्वित

अजमेर/उदयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल (प्रांत 3233 ए-2) के 'आओ खुशियां बांटें' कार्यक्रम के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था ने भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर अनूठी सेवा मिसाल पेश की। उदयपुर जिले की गिर्वा तहसील के ग्राम बुझड़ा में आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवारों के 51 बालक-बालिकाओं को नवीन वस्त्र (पेंट-शर्ट, टी-शर्ट एवं सलवार सूट) वितरित किए गए। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के नेतृत्व में समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन मधु पाटनी और पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी के विशेष सहयोग से यह आयोजन संपन्न हुआ। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती डाली बाई भाटी और श्री हिम्मत वेणीराम भाटी के आतिथ्य में बच्चों को उपहार एवं मिष्ठान वितरित किए गए। इस पुनीत कार्य में बुझड़ा निवासी गोपाल सोलंकी एवं पिंकी सोलंकी का सराहनीय सहयोग रहा। ग्रामीणों ने लायंस क्लब की इस मानवीय पहल के प्रति आभार व्यक्त किया।

धावास में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ तीन दिवसीय महावीर जयंती महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। राष्ट्र संत आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से धावास-जयपुर में निमार्णाधीन भव्य चार मंजिला शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में तीन दिवसीय महावीर जयंती महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक नरेश सौगाणी ने बताया कि उत्सव का शुभारंभ शनिवार को 48 दीपकों से 'भक्तामर दीप अर्चना' के साथ हुआ। रविवार को बाल तीर्थंकर को पालना झुलाने का भक्तिमय आयोजन हुआ, वहीं सोमवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। निर्माण संयोजक जयकुमार जैन-बड़जात्या के अनुसार, इस जुलूस को गजेंद्र-प्रवीण बड़जात्या ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। महोत्सव में श्वेतांबर एवं दिगंबर दोनों समुदायों ने एकजुट होकर सहभागिता की। अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बैद एवं कोषाध्यक्ष हेमेंद्र लुहाड़िया ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में नरेंद्र गोधा, विनीत सोनी, पंकज बोहरा, विकास पाटौदी, अंजलि बैद, सरिता लुहाड़िया और सीमा बड़जात्या सहित समस्त कार्यकारिणी की सक्रिय भूमिका रही।

प्रो. जिनेंद्र जैन 'आचार्य आदिसागर अंकलीकर विद्वत पुरस्कार-2025' से सम्मानित

जैन विद्या और प्राकृत भाषा के संरक्षण हेतु बड़ोदरा में आयोजित भव्य समारोह में मिला सम्मान

शरद जैन 'सुधांशु'. शाबाश इंडिया

लाडनूं/बड़ोदरा। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जिनेंद्र जैन (उदयपुर) को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान हेतु प्रतिष्ठित 'आचार्य आदिसागर अंकलीकर विद्वत्सम्मान-2025' से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान उन्हें जैन विद्या, प्राकृत भाषा के संवर्धन, पांडुलिपि संरक्षण एवं उच्च स्तरीय साहित्य संपादन के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया गया।

पंचकल्याणक महोत्सव में हुआ सम्मान

यह गौरवशाली पुरस्कार 'आचार्य आदिसागर अंकलीकर जागृति मंच, मुंबई' द्वारा आचार्य श्री सुनील सागर महाराज के पावन सान्निध्य में प्रदान किया गया। गुजरात के बड़ोदरा में आयोजित तीर्थंकर श्री अजितनाथ भगवान के पंचकल्याणक महोत्सव के मंगल अवसर पर प्रो. जैन को सम्मानित किया गया।

पुरस्कार का स्वरूप

सम्मान स्वरूप प्रो. जिनेंद्र जैन को श्रीफल, शाल, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र और 51,000 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। इस उपलब्धि पर लाडनूं विश्वविद्यालय परिवार सहित देश भर के विद्वानों और शुभचिंतकों ने उन्हें प्रत्यक्ष रूप से एवं सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई संदेश प्रेषित कर शुभकामनाएं दी हैं।

जैन मिलन परिवार ने भक्ति और उत्साह के साथ मनाया महावीर जन्मोत्सव

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में 'जैन मिलन परिवार' का महामासिक मिलन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर की सामूहिक आरती के साथ हुआ, जिसके पश्चात आचार्य विद्यासागर पाठशाला के 20 नन्हे विद्यार्थियों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को धर्ममय कर दिया। भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक विजय कुमार जैन (पत्रकार) ने महामासिक मिलन के महत्व पर प्रकाश डाला और चंदेरी क्षेत्रीय अधिवेशन में प्राप्त पुरस्कारों का वितरण किया। जैन मिलन शाखा के अध्यक्ष जितेंद्र जैन ने स्वागत भाषण दिया, जबकि मंत्री एवं कार्यक्रम समन्वयक विकास जैन ने मंच का कुशल संचालन किया। समारोह में 'धार्मिक तंबोला' का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर युवा जैन मिलन अध्यक्ष आकाश जैन, महिला जैन मिलन अध्यक्ष अंतिम जैन, मंत्री सुषमा जैन, कोषाध्यक्ष रुपेश चौधरी, ट्रस्ट कमेटी के उपाध्यक्ष राजेश जैन, राजा चौधरी, दिनेश रावत और राजेंद्र जैन सहित 130 से अधिक महिला-पुरुष एवं बच्चे उपस्थित थे। अंत में कोषाध्यक्ष रुपेश चौधरी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

जनकपुरी के श्रद्धालुओं को मिला आचार्य सौरभ सागर जी का आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी जयपुर के श्रद्धालुओं को नोएडा के सेक्टर 50 स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर में प्रवास रत आचार्य श्री १०८ सौरभ सागर जी मुनिराज के आशीर्वाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आचार्य श्री का सेक्टर 27 से सेक्टर 50 के मंदिर में मंगलवार को प्रात मंगल प्रवेश हुआ जहाँ जनकपुरी के श्रेष्ठी पदम जैन बिलाला , मनोज्ञ पाटनी , नेमि चंद शाह , महेश जैन , पुष्पा बिलाला, रुचिका जैन , मंजू शाह , दीपा पाटनी , प्राची ,पूजा जैन आदि की उपस्थिति रही ।श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री को श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा धार्मिक चर्चा की । इसके बाद यहाँ महावीर भगवान के जन्म कल्याणक के अवसर पर गाजे बाजे के साथ तीर्थंकर महावीर की भव्य पालकी शोभायात्रा निकाली गयी ।

समाजसेवी आशीष कुमार जैन को मिला "राजस्थान समरसता गौरव अवार्ड"

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच के भव्य समारोह में ऋषभदेव हाल फतहनगर निवासी समाजसेवी आशीष कुमार जैन को "राजस्थान समरसता गौरव अवार्ड" से सम्मानित किया गया। यह समारोह जयपुर के गुलाबी नगर में 25 देशों के राष्ट्र ध्वजों के सानिध्य में आयोजित हुआ। अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। आशीष कुमार जैन को समाज सेवा, समरसता एवं जनहित के कार्यों में उनके विशेष योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उन्हें मंच के प्रमुख अतिथियों एवं विशिष्ट जनों द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने पर आशीष कुमार जैन ने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा वे आगे भी समाज एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आशीष कुमार जैन को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महावीर स्वामी

जन्मे एक विलक्षण बालक वर्धमान,
उनके ग्राम का नाम था कुंडग्राम।

बिहार राज्य का वैशाली जिला था,
पिता सिद्धार्थ, माता त्रिशला थीं।

यौवन की आयु में, मात्र तीस वर्ष में,
गृह त्याग कर लिया, वैराग्य के मार्ग में।

बारह वर्ष के कठोर तप से ज्ञान पाया,
वर्धमान से महावीर का रूप अपनाया।

संसार के उद्धार हेतु ज्ञान का प्रसार किया,
जन-जन को सत्य और धर्म का उपदेश दिया।

घूम-घूमकर जनहित में संदेश सुनाते,
सत्य बोलो, मिथ्या से दूर रहो—यह बताते।

ब्रह्मचर्य का पालन करो, अहिंसा का मार्ग अपनाओ,
चोरी न करो, समता का भाव जगाओ।

ह्रजियो और जीने दोह्र, स्वयं से संघर्ष का संदेश दिया,
आत्मज्ञान और आत्मसात का मार्ग दिखाया।

जो आया है, वह जाएगा—यह अटल नियम बताया,
बहत्तर वर्ष की आयु में निर्वाण को प्राप्त हो गए।

ऐसे परम ज्ञानी महावीर स्वामी को शत-शत नमन,
उनके दिए उपदेशों का करता हूँ स्मरण।

-चुन्नू साहा, पाकुड़ (झारखंड)

महावीर जयंती पर 'जैन सोशल ग्रुप सनशाइन' ने सेवा भाव से शुरू की प्याऊ

ब्यावर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मकल्याणक के पावन अवसर पर जैन सोशल ग्रुप सनशाइन ने मानवता की सेवा की मिसाल पेश की है। भीषण गर्मी और लू से आमजन को राहत देने हेतु समूह द्वारा 'जल सेवा केंद्र' (प्याऊ) का विधिवत शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन जोनल कोऑर्डिनेटर मनीष मेहता एवं अध्यक्ष राहुल ओसतवाल के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस पुनीत कार्य का दैनिक संचालन पूर्व अध्यक्ष अरुण रूणिवाल के मार्गदर्शन एवं समन्वय में किया जाएगा। उद्घाटन के अवसर पर पंकज डेडिया, विक्रम सांखला, भूपेश भंसाली और विमल कांकरिया सहित संगठन के अनेक पूर्व अध्यक्ष व सदस्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि महावीर जन्मकल्याणक के विशाल जुलूस के दौरान भी संस्था के सदस्यों ने सक्रिय रूप से जल सेवा प्रदान की। जैन सोशल ग्रुप सनशाइन प्रतिवर्ष इस प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन करता है।

मंदिर सजाओ प्रतियोगिता में श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, शास्त्री नगर प्रथम

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

महावीर जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजित मंदिर सजाओ प्रतियोगिता का परिणाम निर्णायक मंडल द्वारा घोषित किया गया। प्रतियोगिता में न्यू हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रथम स्थान पर रहा। अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल ने बताया कि निर्णायक मंडल ने निर्धारित मानकों के आधार पर निर्णय लेते हुए द्वितीय स्थान श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सुभाष नगर तथा तृतीय स्थान श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, आर.के. कॉलोनी को प्रदान किया। वहीं, सांत्वना पुरस्कार श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, अरिहंत नगर को दिया गया। उन्होंने बताया कि गुलाबचंद, मनीष एवं नीरज शाह परिवार द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने कहा कि सभी मंदिरों ने अत्यंत सुंदर सजावट कर भगवान महावीर के जन्मोत्सव को भव्य रूप प्रदान किया, जो समाज की एकता, भक्ति एवं उत्साह का प्रतीक है।

हावड़ा के डबसन रोड पर गूंजे महावीर के जयकारे

भव्य शोभायात्रा ने दिया अहिंसा का संदेश, उत्तर हावड़ा जैन समाज द्वारा श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जन्मोत्सव

हावड़ा. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर सोमवार को उत्तर हावड़ा जैन समाज द्वारा एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भक्ति और शक्ति के अनूठे संगम वाली यह यात्रा डबसन रोड सहित आसपास के क्षेत्रों में आकर्षण का केंद्र रही, जिसने संपूर्ण मानवता को शांति और अहिंसा का संदेश दिया।

शोभायात्रा की मुख्य विशेषताएं

भव्य रथ और मनोहारी प्रतिमाः सजे-धजे वैभवशाली रथ पर भगवान महावीर की प्रतिमा को विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। बैंड-बाजों की मधुर धुनों और 'वीर प्रभु के जयकारों' से समूचा वातावरण धर्ममय हो गया। **सांस्कृतिक एवं धार्मिक झांकियां:** शोभायात्रा में शामिल विभिन्न झांकियों के माध्यम से भगवान महावीर के सिद्धांतों– अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह को जीवंत रूप में दशार्या गया। श्रद्धालुओं ने भजनों और भक्ति गीतों पर नृत्य कर अपनी आस्था प्रकट की। **आत्मीय स्वागत और अभिनंदनः** यात्रा मार्ग पर महिलाओं ने आकर्षक रंगोली बनाई और जगह-जगह पुष्प वर्षा कर रथ की अगवानी की। अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा भगवान की सामूहिक आरती उतारी गई।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

इस धार्मिक महाकुंभ में ब्रह्मचारी मिलाप जी गंगवाल, सुशील पांड्या, स्वास्तिक जैन, सोनू जैन, सुरेश गंगवाल, सुमित जैन, भागचंद बड़जात्या, विनोद गंगवाल, प्रकाश पहाड़िया और नागरमल जी बड़जात्या सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। महिला शक्ति के रूप में नितेश जैन, प्रमिला विनायका, आवंतिका जैन, सारिका छाबड़ा, मंजु पांड्या और शांति गंगवाल ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। स्थानीय प्रशासन के विशेष सहयोग और जैन समाज की एकजुटता से यह आयोजन ऐतिहासिक रहा। अंत में सभी ने विश्व शांति और भाईचारे की कामना के साथ महोत्सव का समापन किया।

राष्ट्रीय कवि चौपाल की 72वीं काव्य गोष्ठी संपन्न; साहित्यकारों का हुआ सम्मान

दौसा. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय कवि चौपाल की 72वीं मासिक काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन विनायक साइंस इंस्टीट्यूट में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कवयित्री सपना सोनी थीं, जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. निर्मला शर्मा ने की। गोष्ठी का शुभारंभ माँ शारदे के पूजन व दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर अनोखी सरगम को 'चौपाल श्रेष्ठ साहित्य सम्मान' से अलंकृत किया गया। साथ ही डॉ. निर्मला शर्मा व लोकेंद्र भारद्वाज को 'चौपाल काव्य पथिक सम्मान' प्रदान किया गया। काव्यधारा में बुद्धिप्रकाश महावर, संयोजक कृष्ण कुमार सैनी, सपना सोनी, दिनेश 'तूफानी' और डॉ. बृजमोहन मीना सहित अनेक कवियों ने वीर, हास्य और प्रेम रस की रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रेरणापुंज अशोक कुंवाल ने कुशल मंच संचालन किया और सह-सलाहकार अशोक खेड़ला ने सभी का आभार व्यक्त किया। गोष्ठी में नववर्ष और जल संरक्षण जैसे सामयिक विषयों पर भी सार्थक रचनापाठ हुआ।

जैन बगीची में सजी सांस्कृतिक संध्या; बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

'वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता' के संदेश के साथ गूंजा महावीर का जयकारा

अंबाह. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मकल्याणक के उपलक्ष्य में जैन समाज, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप एवं जैन मिलन के तत्वावधान में जैन बगीची में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। भक्ति, कला और वैचारिक दर्शन के इस संगम में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके पश्चात राजुल, साक्षी, शैंकी, सिमरन एवं राखी जैन के निर्देशन में बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। ''मेरे महावीर झूले पालना'' और ''वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है'' जैसे भजनों पर नन्हे कलाकारों के नृत्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मयूर बैंड (इटावा) की धुनों ने वातावरण को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया।

वैश्विक संकट और महावीर का दर्शन

वरिष्ठ समाजसेवी नरेश जैन 'गुरु' एवं शिक्षक वीरेंद्र जैन ने कहा कि युद्ध और हिंसा से त्रस्त वर्तमान विश्व के लिए महावीर का अहिंसा सिद्धांत ही एकमात्र समाधान है। समाजसेवी महेश चंद जैन ने जोर दिया कि आधुनिकता के दौर में आध्यात्मिकता ही समाज की आत्मा है। आयोजन संयोजक संतोष जैन ने अपने संबोधन में कहा कि आज मानवता को 'महावीर या महाविनाश' में से एक को चुनना है; उनके बताए सत्य और अपरिग्रह के मार्ग से ही ग्लोबल वार्मिंग और सामाजिक तनाव जैसी समस्याओं का अंत संभव है। लगभग चार घंटे चले इस समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया और लकी ड्रा के माध्यम से पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष संतोष जैन ने सभी सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

पंचकल्याणक महोत्सव का चौथा दिन

तप कल्याणक धूमधाम से संपन्न, हजारों श्रद्धालु पहुंचे बड़ागांव धसान

बड़ागांव धसान. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर, लार में परम पूज्य चर्या शिरोमणि आध्यात्मिक संत पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में आयोजित छह दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव के चौथे दिन भगवान का तप कल्याणक महोत्सव एवं आचार्य पदारोहण दिवस भक्तिभाव और उल्लास के साथ मनाया गया। नगर के स्कूल परिसर में अयोध्या नगरी की थीम पर आयोजित महोत्सव में प्रातःकाल जाप्यानुष्ठान, अभिषेक एवं विश्व शांति, भाईचारे और जगत कल्याण के लिए महाशांतिधारा का आयोजन किया गया। इस महाशांतिधारा का सौभाग्य सवाई चौधरी, ज्ञानचंद्र मनीष जैन, जगदीप पन्नालाल जैन (देवासा) एवं राजीव निराला को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात नित्य नियम पूजन, जन्म कल्याणक पूजन एवं नवग्रह शांति यज्ञ सम्पन्न हुए। साथ ही चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। आचार्य श्री के मंगल प्रवचनों में तप के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। तप कल्याणक के प्रसंग में भगवान आदिकुमार द्वारा मानव जीवन के लिए असि, मसि, कृषि, शिल्प, वाणिज्य एवं कला की शिक्षाएं प्रदान करने का वर्णन किया गया। उन्होंने ईमानदारी, अनुशासन एवं धर्मपरायण जीवन जीने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान राजा आदिकुमार के वैराग्य प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया, जिसमें नीलांजना के नृत्य को देखकर उत्पन्न वैराग्य एवं दीक्षा की प्रेरणा को दर्शाया गया। इस दृश्य को देखकर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए और महिलाओं की आंखों से अश्रुधारा बहने लगी। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने कहा कि तप के माध्यम से ही जीवन की श्रेष्ठता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि तप कल्याणक के समय भगवान की पालकी उठाने को लेकर देवताओं और मनुष्यों में विवाद हुआ, किंतु संयम धारण करने की क्षमता केवल मनुष्यों में होने के कारण यह अधिकार उन्हें ही प्राप्त हुआ। अतः मनुष्य को अपने जीवन को श्रेष्ठ तप द्वारा सार्थक बनाना चाहिए। दोपहर में 32,000 मांडलिक राजाओं का भव्य दरबार सजा और भगवान आदिकुमार का राज्याभिषेक किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

महोत्सव के दौरान भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें वैराग्य प्रसंगों का जीवंत मंचन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्षेत्रीय जैन समाज का विशेष योगदान रहा। मीडिया प्रभारी एडवोकेट प्रभात अजनोर ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुनील जैन (सागर), श्रीमती निधि जैन (प्रबंध संपादक, दैनिक आचरण), बाबूलाल मैनवार, जितेंद्र क्रांतिकारी, भरत सेठ (पत्रकार, घुवारा), वीर चंद्र नेकोरा, राजकुमार पठा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

'जियो और जीने दो' के जयघोष से गूंजा भिंड

महावीर जयंती पर निकली भव्य जीव दया संदेश यात्रा

विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने किया बोरिंग का शुभारंभ; प्राणियों के प्रति करुणा का दिया संदेश

भिंड. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर भिंड नगर में मानवता और करुणा की अनूठी मिसाल पेश की गई। सेवा भारती की प्रेरणा से भामाशाह पशु-पक्षी आहार योजना समिति एवं जीव दया स्थल द्वारा 'जीव दया संदेश यात्रा' का भव्य आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य जन-जन में समस्त जीवों के प्रति प्रेम और समरसता का भाव जाग्रत करना रहा।

विधायक ने किया बोरिंग का उद्घाटन

क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने जीव दया स्थल पहुँचकर बोरिंग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का संदेश 'जियो और जीने दो' आज के युग में सर्वाधिक प्रासंगिक है। उन्होंने जोर दिया कि हिंसा किसी समस्या का हल नहीं है; हमें बेजुबान प्राणियों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए क्योंकि जीवन सबमें एक समान है।

नगर भ्रमण और जन-जागृति

यह संदेश यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों—हाउसिंग कॉलोनी, गोल मार्केट, सदर बाजार, पुस्तक बाजार और भूता बाजार से होती हुई जिला चिकित्सालय पहुँची। पूरी यात्रा के दौरान 'अहिंसा परमो धर्म', 'जय गौ माता' और 'बेजुबानों पर दया करो' के नारों से वातावरण गुंजायमान रहा।

सेवा कार्य और संबोधन

चिकित्सालय प्रांगण में ओमप्रकाश बाबूजी और धर्मेंद्र जैन 'पत्तल' ने जनसमूह को संबोधित किया। धर्मेंद्र जैन ने मार्मिक शब्दों में कहा, ''जो छीनकर खाए वह विकृति है, जो सबको बाँटकर खाए वही वास्तविक संस्कृति है।'' कार्यक्रम के अंत में चिकित्सालय के रोगियों को फल वितरित किए गए तथा जीव दया गौशाला में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गौ-माता को फल व आहार खिलाकर पुण्य लाभ लिया।

उदयपुर ध्यान महोत्सव

9 अप्रैल से बहेगी योग और आत्मिक शांति की सरिता

ब्रह्मऋषि प्रेमनाथ के सान्निध्य में तीन दिवसीय निःशुल्क आयोजन; एक्वा योग होगा मुख्य आकर्षण

राकेश शर्मा 'राजदीप'

उदयपुर. शाबाश इंडिया। झील नगरी उदयपुर में परिवार, समाज और विश्व शांति के पावन उद्देश्य के साथ 9 से 11 अप्रैल तक त्रि-दिवसीय ''उदयपुर ध्यान महोत्सव'' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। ब्रह्मऋषि प्रेमनाथ एवं डॉ. निहाल जैन के मार्गदर्शन में होने वाला यह महोत्सव आमजन के लिए पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

संतुलन और सकारात्मकता का मार्ग

आयोजक डॉ. निहाल जैन ने बताया कि वर्तमान समय में मानसिक तनाव और भागदौड़ भरे जीवन के बीच व्यक्ति को स्वयं से जोड़ने के लिए यह अनूठी पहल की गई है। महोत्सव का लक्ष्य ध्यान, योग और आत्मिक शांति के माध्यम से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। तीन दिनों तक चलने वाले इस शिविर में साधकों को ऊर्जा योग, एकत्व योग और विशेष एक्वा योग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महोत्सव की विस्तृत रूपरेखा

महोत्सव का शुभारंभ 9 अप्रैल को प्रातः 7 बजे शोभागपुरा स्थित समग्र इको पिरामिड परिसर में होगा। कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है:

9 अप्रैल (प्रथम दिन): प्रातः 7:00 से 9:00 बजे तक ऊर्जा योग एवं एकत्व योग सत्र, तत्पश्चात प्रातः 9:00 बजे भव्य उद्घाटन समारोह।

10 अप्रैल (द्वितीय दिन): प्रातः 6:00 से 8:00 बजे तक फतेहसागर ओवरफ्लो पॉइंट पर विशेष ध्यान सत्संग का आयोजन।

11 अप्रैल (तृतीय दिन): प्रातः 6:00 से 8:00 बजे तक पिछोला झील स्थित 'मांगी का मंदिर' परिसर में समापन ध्यान सत्र।

भीतर से मजबूत बनाता है ध्यान: ब्रह्मऋषि प्रेमनाथ

ब्रह्मऋषि प्रेमनाथ ने महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ध्यान केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। यह व्यक्ति को भीतर से शांत, आनंदित और विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहने की शक्ति प्रदान करता है।

संयम और अहिंसा के मार्ग से ही जीवन सार्थक: आचार्य इंद्र नंदी महाराज

निवाई में धूमधाम से निकला महावीर जन्मकल्याणक जुलूस; भक्ति नृत्य और पुष्प वर्षा से महका नगर

निवाई. शाबाश इंडिया। वात्सल्य मूर्ति आचार्य पदमनंदी जी महाराज के शिष्य आचार्य इंद्र नंदी महाराज के पावन सानिध्य में सकल दिगंबर जैन समाज निवाई द्वारा भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य रथयात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। राजस्थान जैन सभा के प्रचार मंत्री हितेश छाबड़ा एवं राकेश संधी ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ प्रभातफेरी और जिनालयों में अभिषेक-शांतिधारा के साथ हुआ। इसके पश्चात बड़ा जैन मंदिर से गाजे-बाजे के साथ रथयात्रा रवाना हुई। भगवान के सारथी बनने का सौभाग्य गोपाल लाल शंभु कुमार कठमाणा को प्राप्त हुआ। रथयात्रा पाटनी मोहल्ला, बड़ा बाजार और सब्जी मंडी होते हुए नसियां मंदिर पहुंची, जहाँ समाजसेवी राजेश चौधरी 'गुरुजी' एवं डोली चौधरी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर श्रीजी की अगवानी की। यात्रा में विभिन्न महिला मंडलों और आचार्य शांतिसागर पाठशाला की बालिकाओं ने भक्ति नृत्य कर समां बांध दिया। समाज के गणमान्य जनों, जिनमें नपा उपाध्यक्ष जितेंद्र चंवरिया, ज्ञानचंद सोगानी और विष्णु बोहरा शामिल थे, ने भगवान की आरती उतारी। नसियां मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य इंद्र नंदी महाराज ने कहा कि भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह के संदेशों को केवल सुनना पर्याप्त नहीं, उन्हें जीवन में उतारना अनिवार्य है। उन्होंने जोर दिया कि संयम के मार्ग पर चलकर ही मानव जीवन सार्थक हो सकता है। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक कलशाभिषेक संपन्न हुआ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान महावीर के जीवन दर्शन को जीवंत किया गया।

अहिंसा के स्वर से गुंजायमान हुआ लोककला मण्डल; कवियों ने कविता के माध्यम से दिया महावीर संदेश

गौ-सेवा, राष्ट्रभावना और मानवीय चेतना की ओजस्वी वाणी से भावविभोर हुए श्रोता

यौवंतराज माहेश्वरी. शाबाश इंडिया

उदयपुर। भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव को ऐतिहासिक स्वरूप देने के संकल्प के साथ गुरु कमल चंद्रोशन गौसेवा ट्रस्ट एवं विद्यार्थी कल्याण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय लोककला मण्डल में एक भव्य हास्य एवं ओज कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से वैश्विक हिंसा के दौर में महावीर के अहिंसा और करुणा के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

सरस्वती वंदना से ओजस्वी काव्यधारा तक

कार्यक्रम का शुभारंभ कवयित्री भावना लोहार की मधुर सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात काव्य-सरिता का प्रवाह कुछ इस प्रकार रहाः

राष्ट्रभक्तिः कोटा से आए कवि राजेंद्र पंवार ने वीरता और बलिदान से ओतप्रोत रचनाएं पढ़कर श्रोताओं में राष्ट्रभक्ति का जोश भर दिया।

गौ-महिमाः कवि सुनील व्यास ने ''धरा का सार है गौ में...'' पंक्तियों के माध्यम से गौ-माता की आध्यात्मिक महत्ता को रेखांकित किया।

सामाजिक प्रहारः कवि शंकर सुखवाल ने समाज में बढ़ती हिंसा और नारी अत्याचार पर तीखा प्रहार कर जनमानस को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया।

सांस्कृतिक पुनर्जागरणः कवि अर्जुन अल्हड़ ने अपनी रचनाओं के माध्यम से धर्म और मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का आह्वान किया।

भावुक कर देने वाले पल

मावली के मनोज गुर्जर ने जब पिता की महिमा पर कविता पढ़ी, तो सभागार में उपस्थित कई श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। कार्यक्रम का सफल संचालन राव अजातशत्रु ने किया। उनकी पंक्तियां– ''हिंसा की चौखट पर

दुनिया, दुनिया में अहिंसा की जय हो, हे महावीर तेरी जय हो''–पर सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

गौ-सेवा का अनूठा संकल्प

ट्रस्ट के संस्थापक संजय जैन ने बताया कि संस्था पूरी तरह गौ-सेवा के लिए समर्पित है। उन्होंने घोषणा की कि गोवर्धन पूजा तक 108 गौशालाओं में 50 हजार से अधिक गौ-माताओं को 'छप्पन भोग' अर्पित करने का लक्ष्य रखा गया है।

विशिष्ट उपस्थिति

कार्यक्रम की अध्यक्षता उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पर्यावरणविद् अशोक मेहता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर नमित मेहता सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

उदयपुर में कला शिक्षकों की आवाज बुलंद, शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जिले के बेरोजगार कला शिक्षक अभ्यर्थियों ने कला शिक्षा की वर्तमान स्थिति को लेकर शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। प्रतिनिधि मंडल में शरद भारद्वाज, दिलीप डामोर, किरण पटेल, रविना, मयंक शर्मा, पुरुषोत्तम, उदय सुथार, जगदीश सालवी, मनोज और विजेन्द्र सिंह देवड़ा सहित कई अभ्यर्थी शामिल रहे। अभ्यर्थियों ने ज्ञापन में बताया कि राजस्थान के राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 10 तक कला शिक्षा विषय की स्थिति बेहद चिंताजनक है। न तो विषय की पुस्तकें उपलब्ध हैं, न ही प्रशिक्षित शिक्षक; इसके बावजूद हर वर्ष लाखों विद्यार्थियों का 100 अंकों का मूल्यांकन कर ग्रेड दिए जा रहे हैं, जिसे उन्होंने ''फर्जी मूल्यांकन'' बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केन्द्र सरकार द्वारा कला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य को करोड़ों रुपये का बजट दिया जा रहा है। इसके तहत हजारों आर्ट एंड क्राफ्ट कक्ष बनाए जा चुके हैं और कला किट सामग्री पर भी भारी खर्च हुआ है, लेकिन धरातल पर इसका लाभ विद्यार्थियों तक नहीं पहुंच पा रहा है। मुख्य मांगों में कला शिक्षा के बिना हो रहे मूल्यांकन पर तत्काल रोक, हाईकोर्ट के आदेशानुसार कला शिक्षकों के पद सृजन व भर्ती प्रक्रिया शुरू करना, कक्षा 1 से 10 तक अनिवार्य कला शिक्षा का नियमित शिक्षण सुनिश्चित करना शामिल है। इसके साथ ही 'कला कुंज' पुस्तक को निःशुल्क वितरण सूची में शामिल करने और एनसीईआरटी की कला पुस्तकों को लागू करने की भी मांग की गई। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे राज्यव्यापी आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

रिपोर्ट फोटोः
राकेश शर्मा 'राजदीप'

उदयपुर इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन नई कार्यकारिणी में शाह अध्यक्ष, गुप्ता सचिव मनोनीत

उदयपुर. शाबाश इंडिया। उदयपुर इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है, जिसमें समाज एवं व्यापार से जुड़े अनुभवी और सक्रिय सदस्यों को विभिन्न पदों पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसमें अध्यक्ष पद पर रमेश शाह, उपाध्यक्ष भरत नागोरी, सचिव के.के. गुप्ता, संयुक्त सचिव जंबू दलावत, कोषाध्यक्ष नागेंद्र को नियुक्त किया गया है। वहीं, संरक्षक मंडल में सुरेश धोका एवं प्रिंस दक शामिल किए गए हैं। इसी क्रम में सलाहकार के रूप में कुलदीप जोशी, सुभाष, गिरीश मनवानी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं संगठन मंत्री के रूप में पारस, सतीश, आशु अग्रवाल एवं इंदर सचदेव को नियुक्त किया गया है। नई कार्यकारिणी संकल्प लिया है कि वह संगठन के विकास, व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार एवं सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेगी।

रिपोर्ट/ फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'

श्री महावीर जी में लक्खी मेले की धूम: भक्ति और सांप्रदायिक सौहार्द का संगम

बुधवार को विराट कवि सम्मेलन; गुरुवार 2 अप्रैल को निकलेगी भगवान महावीर की विशाल रथयात्रा

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया

विश्व वंदनीय भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में आठ दिवसीय वार्षिक लक्खी मेला श्रद्धा और उल्लास के साथ जारी है। मेले के दूसरे दिन मंगलवार को मंदिर परिसर भगवान महावीर के जयकारों से गुंजायमान रहा।

प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मंत्री उमरावमल संघी ने बताया कि मंगलवार प्रातः मंत्रोच्चार के साथ जिन प्रतिमाओं के अभिषेक संपन्न हुए। दोपहर में श्री वीर संगीत मंडल, जयपुर के सहयोग से सामूहिक पूजन किया गया। रात्रि में प्रसिद्ध गायक नरेंद्र जैन एंड पार्टी ने भक्ति भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, राजस्थान पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों ने राजस्थानी संस्कृति की अनूठी छटा बिखेरी।

आज के मुख्य आकर्षण (बुधवार, 1 अप्रैल) प्रचार-प्रसार मुख्य संयोजक एडवोकेट हेमंत सोगानी के अनुसार:

प्रातः काल: चरण छत्री पर सामूहिक पूजा।

अपराह्न 4:00 बजे: उप जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल द्वारा मेला निरीक्षण।

रात्रि 8:30 बजे: सांस्कृतिक मंच पर विराट राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, जिसमें देश के प्रख्यात कवि काव्य पाठ करेंगे।

ऐतिहासिक रथयात्रा: मुख्यमंत्री को आमंत्रण

प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मेले का मुख्य आकर्षण गुरुवार, 2 अप्रैल को निकलने वाली विशाल रथयात्रा होगी। दोपहर 2:00 बजे मंदिर के कटला परिसर से शुरू होने वाली इस रथयात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश करने वाली इस यात्रा में जैन, मीणा, गुर्जर सहित सभी समुदायों के लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। गंभीर नदी के तट पर श्रीजी का भव्य कलशाभिषेक होगा। नदी में पानी की उपलब्धता हेतु पांचना बांध से जल छोड़ दिया गया है।

श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क बस सेवा

समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु जयपुर और आसपास के क्षेत्रों (फागी, सांगानेर, चाकसू, दौसा, सीकर आदि) से निशुल्क बस सेवा की व्यवस्था की है। 3 अप्रैल को ग्रामीण खेलकूद और कुश्ती-दंगल के साथ मेले का समापन होगा।

आस्था का केंद्र: श्री महावीर जी मंदिर

श्री महावीर जी मंदिर अपने गगनचुंबी धवल शिखर और स्वर्ण कलशों के साथ सम्यक दर्शन का संदेश दे रहा है। यहाँ मूलनायक भगवान महावीर की सैंड स्टोन से निर्मित प्राचीन और चमत्कारी प्रतिमा विराजमान है। मंदिर की दीवारों पर बारीक खुदाई और स्वर्णिम तेल चित्रकारी (दिगंबर जैन शैली) पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। मंदिर के सम्मुख स्थित 52 फीट ऊँचा संगमरमर का मानस्तम्भ क्षेत्र की शोभा बढ़ाता है। मेले के सुचारू संचालन हेतु 16 समितियों का गठन किया गया है। मंदिर परिसर में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के सहयोग से निशुल्क कृत्रिम पैर (जयपुर फुट) एवं वैशाखी वितरण हेतु सहायता शिविर भी लगाया गया है। प्रशासन और स्वयंसेवकों की टीम सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में जुटी है।

महावीर जयंती पर रेलवे अस्पताल में फल व बिस्कुट वितरित; 'जियो और जीने दो' का दिया संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा सेवा कार्य का आयोजन किया गया। महासभा के तत्वावधान में समाज बंधुओं ने गणपति नगर स्थित केन्द्रीय रेलवे अस्पताल के रोगियों को फल एवं बिस्कुट वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। समारोह के मुख्य अतिथि डीआरएम रवि जैन ने भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को विश्व शांति का आधार बताया। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने महावीर के जीवन चरित्र और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। इस पुनीत अवसर पर एडीआरएम गौरव गौड़, सीएमडी अशोक वासुदेव, संयोजक आर.के. जैन (रेलवे), कमल सरावगी और सुनील चौधरी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से जीव दया और परोपकार की भावना को सशक्त करने का संकल्प लिया गया।

शक्ति नगर पल्लीवाल मंदिर की 'महावीर जन्मोत्सव' झांकी ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित भव्य महावीर जयंती शोभायात्रा में श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पल्लीवाल मंदिर, शक्ति नगर के महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत 'महावीर जन्मोत्सव' की सजीव झांकी ने सबका ध्यान खींचा। झांकी का उद्घाटन श्रीमती विमला जैन ने किया। झांकी में रोहित बिलाला एवं अंकिता बिलाला ने राजा सिद्धार्थ और माता त्रिशला की जीवंत भूमिका निभाई। रत्नों की वर्षा और भक्ति गीतों के बीच महिला मंडल की सुनीता अजमेरा, मीनू गंगवाल, रचना शाह, कुसुम शाह और अन्य सदस्यों ने रंग-बिरंगे फूलों की वर्षा कर वातावरण को आनंदमय बना दिया। राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने महिला मंडल के इन प्रयासों को धर्म प्रभावना बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया। इस दौरान अश्वनी शाह और नितिन सहित अनेक युवाओं ने भी व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

विविधता में एकता: महिला महासमिति ने वेशभूषा के माध्यम से दिए महावीर के संदेश

सांगानेर श्रमण संस्कृति संस्थान में भव्य प्रस्तुति; 'अनेकता में एकता' का दिखा अनूठा संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति (राजस्थान अंचल) द्वारा सांगानेर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान में एक अत्यंत प्रभावशाली और गौरवमयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महासमिति की सदस्यों ने कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से जैन दर्शन के वैश्विक सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाया। महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती शीला डोडिया एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. वंदना जैन ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'अनेकता में एकता' की थीम रही। इसमें सदस्यों ने भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों को प्रस्तुत किया। इस अनूठे प्रयोग के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि महावीर के विचार भौगोलिक सीमाओं से परे संपूर्ण मानवता के लिए हैं।

पुरस्कार वितरण एवं सम्मान

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती नीना प्रमोद पहाड़िया ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह और रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सदस्यों को आकर्षक पुरस्कार वितरित कर उनका मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमूह ने महावीर के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर, शान्ति नगर
के तत्वावधान में युवा मण्डल, महिला मण्डल
द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 5 अप्रेल 2026
प्रातः 9 से 2 बजे तक

स्थान : श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर
शान्ति नगर, दुर्गापुरा, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

शिविर उद्घाटन कर्ता : श्रीमान् उमरावमल जी–कुसुम जी संघी, मानद् सचिव : अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी
श्री नवीन जी–दिपाली जी, नमित, दिशी, भव्य संघी

शिविर संयोजक : संजय जैन 9351533399
मैकिन गोदिका 9549341550, अजय जैन 9214300294
विवेक जैन 9829585858, शिवाल जैन 9413341501
नितिन पाटोदी 9887908259, राहुल ठोलिया 9785550004

दीपप्रज्जवलन कर्ता :
श्रीमान् अतुल कुमार जी–पूजा जी सेठी
विशिष्ट अतिथि : श्री सुधीर जी नाटाणी
श्री दिनेश जी मेहता, श्री कमल जी मोतियानी

सहयोगी संस्था :
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार
अध्यक्ष : मोहनलाल गंगवाल
सचिव : विजय पाण्ड्या

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति
अध्यक्ष : सुशील गोधा, मंत्री : सुनील बिलाला
युवा मण्डल
अध्यक्ष : अजय जैन, मंत्री : संजय जैन
एवं समस्त कार्यकारिणी युवा मण्डल
महिला मण्डल
अध्यक्ष : अरूणा छाबड़ा, मंत्री : साक्षी जैन

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंग्या
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204